आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 175 रांची, सोमवार, 08 जून, 2026 (ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष 08, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये,

email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

मणिपुर में दो उग्रवादी व दो शराब तस्कर गिरफ्तार हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर में शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, मादक पदार्थ तस्करों के खिखाफ अभियान चला रहे हैं। इस दौरान आए दिन हथियारों की बरामदगी तथा गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी जानकारी के अनुसार, शनिवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के हिंगांग थानांतर्गत फिजाम लेइराक से दो लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में शराब बरामद किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान हिजाम ओंगबी टोम्बी (48) और हिजाम मंगल (24) के रूप में की गयी है। दोनों सेकमाई बाजार के रहने वाले हैं। उनके पास से एक सिल्वर रंग की चार-पहिया गाड़ी (एमएन-01एक्स-4717) और 117 लीटर डीआईसी शराब जब्त किया गया है। वहीं 05 जून को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत भारत-म्यांमार सीमा पर बॉर्डर पिलर 72 और बॉर्डर पिलर 73 (चोनजांग सीओबी से 12 किमी दक्षिण) के बीच के इलाके से हथियार एवं विस्फोटक बरामद किया। जिसमें मुख्य रूप से एक देसी लाथोड गन, मैगजीन के साथ एक 9एमएम पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक .22 यूएसए पिस्तौल, चार रेडियो सेट और चार आईईडी (बचे हुए हिस्से) शामिल हैं।

28.94 लाख की फर्जी करेंसी बरामद, छह गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नकली नोट गिरोह का पदार्फाश करते हुए 28.94 लाख रुपये की फर्जी भारतीय मुद्रा बरामद की है। मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। खास बात यह है कि इस पूरे रैकेट का खुलासा एक हत्या के मामले की जांच के दौरान हुआ। पुलिस के अनुसार गिरोह का मास्टरमाइंड इमरान सब्बीर सिंधा था, जिसने वटवा इलाके में किराये के मकान में नकली नोट छापने का सेटअप तैयार किया था। मार्च 2026 से कंप्यूटर, लैपटॉप और कलर प्रिंटर की मदद से 500 रुपये के नकली नोट छापे जा रहे थे। गिरोह अब तक करीब 60 लाख रुपये की फर्जी करेंसी तैयार कर चुका था। मुख्य आरोपी की मौत के बाद गिरोह के सदस्य उपकरण और नकली नोट लेकर फरार हो गए थे। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश के आगरा और राजस्थान के धौलपुर में छापेमारी कर नकली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य उपकरण बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार, उत्तर प्रदेश और गुजरात के निवासी शामिल हैं।

एलपीजी कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी।

रास चुनाव : मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ दल के विधायकों-मंत्रियों संग की बैठक

चुनाव प्रक्रिया में एकजुट होकर निभायें सक्रिय भूमिका : हेमंत

बैठक में गठबंधन समर्थित दोनों राज्यसभा उम्मीदवार भी रहे मौजूद

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यसभा चुनाव-2026 के मद्देनजर रविवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों एवं विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सत्तारूढ़ दल के सभी मंत्री एवं विधायक उपस्थित रहे। इस दौरान राज्यसभा चुनाव की रणनीति, मतदान प्रक्रिया तथा चुनाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में गठबंधन समर्थित दोनों राज्यसभा उम्मीदवार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी जनप्रतिनिधियों से एकजुट होकर

चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।
उन्होंने कहा कि गठबंधन की मजबूती और समन्वय के साथ चुनाव में बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जा सकते हैं। बैठक में संगठनात्मक समन्वय को और मजबूत बनाने तथा राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। साथ ही चुनाव के दौरान सभी विधायकों से अनुशासन और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया गया। राज्यसभा चुनाव को लेकर आयोजित इस बैठक को सत्तारूढ़ गठबंधन की चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएम हेमंत से मिले भूपेश बघेल, रास चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा

रांची। राज्यसभा चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधि देखने को मिली। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस की ओर से राज्यसभा चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान आगामी राज्यसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में गठबंधन की चुनावी रणनीति, सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर गंभीर मंथन हुआ।

रास चुनाव : भाजपा-समर्थित नाथवानी बने मजबूत दावेदार!

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी को समर्थन देने की घोषणा की है। भाजपा के इस निर्णय से नाथवानी की जीत की संभावनाएं मजबूत हो गई हैं, वहीं कांग्रेस के सामने अपने उम्मीदवार को विजयी बनाने की चुनौती बढ़ गई है।
सूत्रों के अनुसार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष प्रो. आदित्य साहू ने पार्टी के विधायकों के साथ-साथ जदयू, लोजपा और आजसू के विधायकों को भी नाथवानी के नामांकन में प्रस्तावक बनने का निर्देश दिया है। नाथवानी 8 जून को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद नाथवानी दिल्ली रवाना हो गए थे। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) उनके नामांकन में प्रस्तावक की भूमिका नहीं निभाएगा। इसके बाद नाथवानी ने भाजपा का समर्थन हासिल करने के प्रयास तेज किए और उन्हें सफलता भी मिली। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि झामुमो कांग्रेस के खिलाफ प्रत्यक्ष विरोधी संदेश नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने नाथवानी के प्रस्तावक बनने से दूरी बनाए रखी। हालांकि भाजपा के समर्थन के बाद नाथवानी की स्थिति काफी मजबूत मानी जा रही है।

भाजपा, आजसू, जदयू और लोजपा विधायकों के प्रस्तावक बनने की तैयारी

कांग्रेस को विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती, कांग्रेस के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का बना विषय

नाथवानी को जीत के लिए अपेक्षाकृत कम अतिरिक्त मतों की जरूरत होगी

कांग्रेस के सामने विधायकों को एकजुट बनाए रखने की चुनौती

वहीं कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने 16 विधायकों को एकजुट बनाए रखने की है। 18 जून को होने वाले मतदान में यदि किसी प्रकार की क्रॉस वोटिंग या आंतरिक असंतोष सामने आता है तो इससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो सकती है। इसका असर राज्य की गठबंधन राजनीति और भविष्य के राजनीतिक समीकरणों पर भी पड़ सकता है। झारखंड के राज्यसभा चुनाव ने अब दिलचस्प मोड़ ले लिया है। भाजपा के समर्थन से परिमल नाथवानी की दावेदारी मजबूत हुई है, जबकि कांग्रेस के लिए यह चुनाव संगठनात्मक एकजुटता और राजनीतिक प्रभाव की परीक्षा बन गया है।

बंगाल में टीएमसी नेता को जूतों की माला पहना कर परेड करायी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार और भाजपा की सरकार बनने के बाद कई इलाकों में टीएमसी नेताओं के खिलाफ लोगों का आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में रविवार को 100 दिन रोजगार योजना (मनरेगा) के धन के कथित गबन और भ्रष्टाचार के आरोप में टीएमसी नेता सन्यासी मान्ना को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने पहले उनकी पिटाई की, फिर अर्धनग्न कर उनका सिर मुंडवा दिया। इसके बाद कमर में रस्सी बांधकर और जूते-चप्पलों की माला पहनाकर क्षेत्र में घुमाया गया।

घटना की सूचना मिलने पर श्यामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सन्यासी मान्ना को लोगों के चंगुल से मुक्त कराकर अपने साथ ले गई।
स्थानीय लोगों का आरोप है कि सन्यासी मान्ना लंबे समय से मनरेगा योजना के तहत कटमनी वसूली और अन्य भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल रहा है, जिससे लोगों में उसके प्रति भारी नाराजगी थी। एक अन्य मामले में हावड़ा जिले के उदयनारायणपुर में कटमनी और भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस ने टीएमसी नेता ब्रह्मानंद चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि लोगों के आक्रोश से बचने के लिए वह एक गोदामनुमा कमरे में साड़ियों के ढेर के बीच छिप गया था। हालांकि पुलिस ने उसे खोज निकाला और गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में नितिन नवीन ने दिया संगठन विस्तार का मंत्र

राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ 2029 का दिया लक्ष्य

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का मंत्र देते हुए वर्ष 2029 के लक्ष्य को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश टीम का गठन आगामी राजनीतिक चुनौतियों और वर्ष 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है तथा यही टीम भविष्य के चुनावी अभियान का

नेतृत्व करेगी। नितिन नवीन रविवार को अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन प्रदेश कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश मीडिया टीम, प्रवक्ता, सोशल मीडिया और आईटी सेल के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के साथ हुई।
बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा झारखंड का मजबूत राजनीतिक आधार रही है और भविष्य में भी रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद जनता के बीच भाजपा के प्रति विश्वास और समर्थन कायम है। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी जनता का भरोसा पूरी तरह जीतने में सफल नहीं रही, लेकिन अब निराशा को आशा में बदलने और संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का समय है। नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

नई दिल्ली में आज विपक्षी गठबंधन की अहम बैठक, 23 दल होंगे शामिल

साझा एजेंडा, चुनावी रणनीति और समन्वय को लेकर होगी विस्तृत चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी। जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है।

नीट और सीबीएसई विवाद पर संसदीय समिति सख्त

एनटीए और सीबीएसई से मांगा लिखित जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा और सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली से जुड़े विवादों की जांच कर रही संसदीय समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और सीबीएसई से कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर लिखित जवाब मांगा है। समिति ने परीक्षा सुरक्षा, कथित अनियमितताओं, संस्थागत जवाबदेही और सुधारात्मक उपायों को लेकर दोनों संस्थाओं से स्पष्टीकरण तलब किया है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने एनटीए से परीक्षा गोपनीयता, जांच

प्रक्रिया, कर्मचारियों की भूमिका और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुपालन से संबंधित जानकारी मांगी है। समिति ने यह भी पूछा है कि एनटीए की परिभाषा में ₹पेपर लीक₹ क्या है और वर्ष 2018 से अब तक उसकी ओर से आयोजित किसी परीक्षा में पेपर लीक की घटना हुई है या नहीं।
सूत्रों के अनुसार, हाल ही में हुई बैठक में एनटीए अधिकारियों ने दावा किया था कि उनकी प्रणाली से कोई पेपर लीक नहीं हुआ और जो प्रश्न प्रसारित हुए थे, वे केवल अनुमानित प्रश्नपत्र (गेस पेपर) थे। इसके बाद समिति ने विस्तृत लिखित जवाब मांगा है। वहीं, सीबीएसई से ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली (ओएसएम) के लिए निविदा शर्तों में किए गए बदलाव, ठेका प्रक्रिया, तकनीकी मानकों और संबंधित कंपनियों की पृष्ठभूमि को लेकर जानकारी मांगी गई है। समिति नीट पेपर लीक मामले और सीबीएसई के मूल्यांकन विवाद की जांच कर रही है।

श्रावणी मेला से पहले बड़ी साजिश नाकाम, हथियार के साथ पांच गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

देवघर। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में श्रावणी मेला-2026 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। नगर थाना पुलिस ने शनिवार की देर रात एक वाहन से पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।
पुलिस के अनुसार नगर थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी शंकर कुमार रजक शनिवार की रात गश्ती पर थे। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर वाहन (जेएच-15एपी-5093) में सवार कुछ लोग देवघर रेलवे स्टेशन होते हुए रामगढ़ मार्ग की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया,जिसके बाद विशेष टीम ने सक्रिय होकर वाहन की घेराबंदी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस के साथ वाहन में सवार पांचों लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शैलेश कुमार दास,अरबिंद कुमार दास, गोलू महथा,लल्ला झा और रोहन तुरी के रूप में हुई है। सभी रिखिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं।

झारखंड के आम पहुंचे ब्रिटेन, सिमडेगा की महिला किसानों ने रचा इतिहास

बेउरा एफपीसी के 1.5 टन आम्रपाली आम लंदन निर्यात, एपीडा की पहल से महिला किसानों को मिला वैश्विक बाजार

केंद्र ने झारखंड के महिला किसान उत्पादक समूह के 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम यूके भेजे

प्रातः नागपुरी संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। केंद्र सरकार ने झारखंड के सिमडेगा जिले में महिलाओं द्वारा संचालित किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के आम्रपाली आमों की पहली वाणिज्यिक खेप यूनाइटेड किंगडम (यूके) भेजी है। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की पहल से 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम लंदन निर्यात किए गए हैं, जिससे महिला किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है। आमों की इस पहली खेप को 04 जून को कोलकाता से रवाना किया गया। खेप में शामिल आम सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित

महिलाओं द्वारा संचालित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से लिये गए।
मंत्रालय ने बताया कि एपीडा ने 05 मई को सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों और प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें निर्यात मानकों, गुणवत्ता आवश्यकताओं और वैश्विक बाजार की संभावनाओं की जानकारी दी गई थी। इसके बाद एपीडा ने बेउरा एफपीसी और निर्यातक कंपनी के बीच संपर्क स्थापित कर निर्यात गुणवत्ता वाले आमों की खरीद सुनिश्चित कराई। इससे किसान उत्पादक कंपनी सीधे निर्यात मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनी है। इससे जुड़े किसानों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम क्षेत्र में गुणवत्ता आधारित उत्पादन, बेहतर फसलोत्तर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम अब यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। एपीडा के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है।

झारखंड की कृषि-जलवायु परिस्थितियां बागवानी फसलों के लिए हैं अनुकूल

मंत्रालय के अनुसार, झारखंड की कृषि-जलवायु परिस्थितियां बागवानी फसलों के लिए अनुकूल हैं। राज्य में उत्पादित आम्रपाली आम अपनी गुणवत्ता और बाजार स्वीकार्यता के लिए जाने जाते हैं। इस खेप के साथ झारखंड भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है, जहां से ताजे फल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किए जा रहे हैं। एपीडा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास, क्षमता निर्माण, गुणवत्ता सुधार, ट्रेसबिलिटी प्रणाली और निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। साथ ही महिला और जनजातीय किसान समूहों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भाजपा तोरपा मंडल की बैठक में बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तोरपा मंडल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नगर भवन में आयोजित की गई। मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों और संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं और संगठन की मजबूती बूथ स्तर की सक्रियता पर निर्भर करती है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। कार्यकताओं को विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सभी मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर के पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सक्रियता के साथ करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने, नए सदस्यों को संगठन में शामिल करने और जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बनाकर भाजपा की विचारधारा और विकासात्मक सोच को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। बैठक में कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रमों के प्रति जागरूक रहने तथा संगठन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संदेश दिया गया। साथ ही क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं और जनहित के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया गया, ताकि पार्टी की जनसरोकार से जुड़ी भूमिका और मजबूत हो सके। मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कार्यकताओं से संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर शशांक शेखर राय, रामानंद साहू, दीपक तिग्गा, नीरज जायसवाल, सुबोध जायसवाल, शिवनारायण शाहदेव, रामधन साहू, भोदो भेंगरा, राजू साहू, सुनीता देवी, प्रतिमा देवी, जगदीश मांझी, पवन जायसवाल, प्रीतम महतो सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बालिका मैत्री क्रिकेट मैच में केसीए बी की टीम बनी विजेता

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सगवान मैदान, तोरपा में रविवार को आयोजित बालिका वर्ग के मैत्री क्रिकेट मैच में केसीए बी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केसीए ए को छह विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केसीए ए की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 99 रन बनाए। टीम की ओर से दिव्या ने 19, प्रिया ने 12 तथा काजल और अनुष्का ने 10-10 रनों का योगदान दिया। केसीए बी की ओर से साक्षी, सोनी और ओसीम ने दो-दो विकेट हासिल किए। 100 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केसीए बी की टीम ने 15.2 ओवर में चार विकेट खोकर 103 रन बनाते हुए मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। विजेता टीम की ओर से साक्षी ने शानदार 30 रन बनाए, जबकि विनीता ने 16 और किरण ने 14 रनों की उपयोगी पारी खेली। केसीए ए की ओर से प्रिया ने तीन विकेट चटकाए। मैच के समापन पर विजेता और उपविजेता टीमों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ओसीम को बेस्ट बॉलर, साक्षी को बेस्ट बैट्समैन और श्रुति और अनुष्का को संयुक्त रूप से बेस्ट फील्डर का पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में थाना प्रभारी मनीष कुमार, उप प्रमुख संतोष कर, केडीसीए के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णा मोहन कुमार, सचिव अवधेश कश्यप, देवा हासा, अरुण मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मैच में अंपायर की भूमिका सूरज एवं सौरव ने निभाई। इस अवसर पर दीपक तिग्गा, सतीश शर्मा, अजीत जायसवाल, राजेश प्रसाद, बुधनाथ गुड़िया सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे।

संक्षिप्त

झारखंड आंदोलनकारियों ने जनसंपर्क अभियान चलाया

सिल्ली। झारखंड आंदोलनकारियों की विभिन्न मांगों को लेकर आगामी 10 जून को प्रस्तावित मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर रविवार को झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने केंद्रीय सचिव प्रो रतन लाल महतो, सिल्ली विधानसभा संयोजक लक्ष्मी नारायण महतो, प्रखंड अध्यक्ष रामपदो महतो, सचिव काबिल असारी के नेतृत्व में सिल्ली में जनसंपर्क अभियान चलाया। सदस्यों ने आसपास के सभी चिन्हित झारखंड आंदोलनकारियों से मुलाकात कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। सदस्यों ने सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार से भी मुलाकात कर कार्यक्रम की सुचना दी। इस मौके पर संघर्ष मोर्चा के सुचांद महतो, भवेश हाजरा, सनत राय, राजकिशोर महतो, प्रखंड सचिव काबीलअंसार, नरेश महतो आदि उपस्थित थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच में 14 पैंथर्स इटकी टीम ने खिताब पर किया कब्जा

इटकी। इटकी के कुन्दी मैदान में आयोजित सात दिनी फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच रविवार को 14 पैंथर्स इटकी की टीम ने 14 लायंस इटकी टीम को पेनल्टी शूटआउट में पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। दोनों टीमों अच्छी खेल का प्रदर्शन कर निर्धारित समय तक एक दुसरे को रोके रखा कोई भी टीम मैच अतिंम समय गोल नही कर सके। बाद में पेनल्टी शूट में 14 पैंथर्स इटकी ने 14 लायंस इटकी को 6 – 5 से पराजित किया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि डब्बू केरकेट्टा ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जबकि विशिष्ट अतिथि बिरसा तिग्गा और बिरसा कच्छप ने उपविजेता टीम के खिलाड़ियों ट्राफी देकर सम्मानित किया। बता दें इटकी कुन्दी मैदान में सात दिनी बालक बालिकाओं का संयुक्त एकेडमी फुटबॉल टुनार्मेंट चल रही थी। मैच में कुल 14 टिमों ने भाग लिया। मौके पर विकास उरांव, नौशाद अख्तर, अभिलाष, पवन गोप, राकेश गोप सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

तोरपा विधायक ने किया सात एंबुलेंस और तीन शव वाहनों का लोकार्पण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

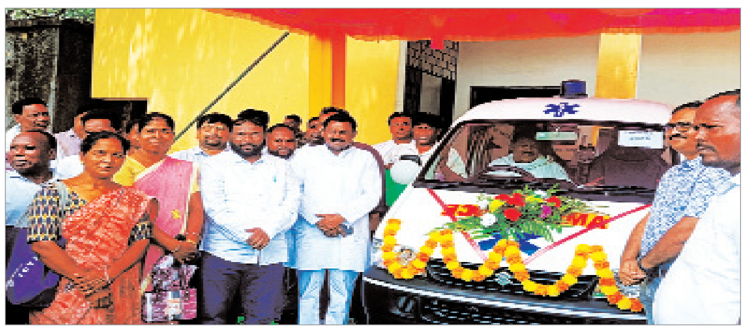

खूंटी। खूंटी जिले के तोरपा विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तोरपा प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित टाउन हॉल में आयोजित एक समारोह में विधायक मद से उपलब्ध कराए गए 07 एंबुलेंस और 03 शव वाहनों का लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्र की जनता को समर्पित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन रवाना होने के साथ ही उपस्थित लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और इसे क्षेत्र के लिए उपयोगी कदम बताया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। समारोह में विभिन्न पंचायतों और प्रखंडों से आए जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं और ग्रामीणों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभा को संबोधित करते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि क्षेत्र की जनता को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के कई गांव जंगलों और पहाड़ी इलाकों में स्थित हैं, जहां से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस की उपलब्धता नहीं होने के कारण मरीजों के उपचार में देरी होती थी, जिससे उनकी स्थिति और गंभीर हो जाती थी। विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक मद से एंबुलेंस और शव वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन वाहनों के संचालन से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा, वहीं जरूरत पड़ने पर शवों के सम्मानजनक परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने और आम लोगों को राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सुदीप गुड़िया ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता केवल स्वास्थ्य क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, सड़क, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जनसहभागिता और प्रशासनिक सहयोग के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधि आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एंबुलेंस और शव वाहनों की उपलब्धता एक सराहनीय पहल है, जिसका लाभ हजारों लोगों को मिलेगा। कार्यक्रम को झामुमो महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुशांति कोनगाड़ी, बुद्धिजीवी मोर्चा अध्यक्ष विरेन कंडुलना, विधायक प्रतिनिधि जगदीश बागे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

सड़क किनारे साइन बोर्ड से टकराई बाइक, 22 वर्षीय युवक की मौत

खूंटी। खूंटी–कोलेबिरा स्टेट हाईवे–3 पर तोरपा थाना क्षेत्र स्थित कारो नदी के समीप रविवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान डोड़मा चंद्रपुर निवासी 22 वर्षीय अनीस हेमरोम के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अनीस हेमरोम रविवार सुबह करीब 10 बजे अपाची मोटरसाइकिल से कोटेंगसेरा से मरचा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कारो नदी के पास उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक बाइक से उछलकर दूर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण अनीस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना तोरपा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार, अनीस हेमरोम अपने मित्र प्रेम होरो की अपाची मोटरसाइकिल लेकर किसी कार्य से जा रहा था। बताया जाता है कि वह अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में बाइक के अनियंत्रित होकर साइन बोर्ड से टकराने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एशिया कप में खूंटी के खिलाड़ियों का जलवा, विधायक ने दी बधाई

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा बनकर खूंटी विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों ने जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खूंटी विधायक रामसूर्या मुंडा ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी है। विधायक ने कहा कि खूंटी विधानसभा क्षेत्र की श्रुति कुमारी (महिल गांव), सुगन सांगा (हुटर चलागी), आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय (ओसकेया) सहित सभी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता न केवल खूंटी बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। रामसूर्या मुंडा ने कहा कि खूंटी की धरती प्रतिभाओं से समृद्ध है और यहां के युवाओं में हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता है। उचित अवसर और बेहतर मंच मिलने पर यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं। विधायक ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता न केवल खूंटी बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। रामसूर्या मुंडा ने कहा कि खूंटी की धरती प्रतिभाओं से समृद्ध है और यहां के युवाओं में हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता है। उचित अवसर और बेहतर मंच मिलने पर यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, राज्य और जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

रामगढ़ पुलिस की मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ मुकेश कुमार लुणायत ने शनिवार को कार्यालय सभागार में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रामगढ़, सभी अंचल निरीक्षकों, थाना एवं ओपी प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित कर जिले में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लंबित कांडों के उद्भेदन, अभियुक्तों की गिरफ्तारी और त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। मई 2026 में दर्ज एवं निष्पादित विशेष और सामान्य कांडों की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारियों को दर्ज मामलों से अधिक कांडों के निष्पादन का लक्ष्य दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों को 60 दिनों के भीतर निष्पादित करने, पासपोर्ट सत्यापन पांच दिनों के भीतर पूरा करने तथा आपातकालीन सहायता सेवा 112 पर प्राप्त शिकायतों पर 10 मिनट के भीतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ताम्बुली हितैषी समिति का सम्मेलन सह सामूहिक भोज संपन्न

सिल्ली। सिल्ली रेलवे ओवर ब्रिज के समीप रविवार को ताम्बुली हितैषी समिति सिल्ली के तत्वावधान में सम्मेलन सह सामुहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं संचालन देवाशीष दत्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ताम्बुली हितैषी समिति के न्यासकर्ता अरुण बरन सिंह, बंकेश आश, मनबोध नाग, खोखन हालदार एवं सुभाष दत्त शामिल हुए। कार्यक्रम समाज के उत्थान, सामाजिक एकजुटता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई।वहीं समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए सामूहिक निर्णय लिया गया। इस दौरान मैट्रिक एवं इंटर में सफल समाज के मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं सामुहिक भोज के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर राजा चौधरी, सुभाष दत्ता, कृष्ण चौधरी, प्रदीप लाहा, समिति वाहा, महादेव चौधरी, बैद्यनाथ दत्ता, गणेश चौधरी, सौरभ आश, राहुल आश, राम चौधरी, सूरज चौधरी, सुबल दे, बिमल दे, शत्रुघ्न चौधरी, बाबुल चौधरी, सनुपआश, मयूर लाहा, सपन दत्ता, संजय दत्ता, असीम कर, संजय कर, बंकिम कर, सुशोभन लाहा, बधन महादानी, सुभाष लाहा, सुरेश लाहा, किशन आश आदि उपस्थित थे।

गुरु की सेवा से सभी देवी–देवताओं की सेवा हो जाती है : स्वामी प्रमोद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम शबरी कुटिया मुरहू में दो दिवसीय सत्संग कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को अपने प्रवचन में स्वामी प्रमोद जी महाराज ने कहा कि दुनिया में सभी सुख-शांति चाहते हैं, लेकिन मूल बातें नहीं समझने के कारण दुःखी रहते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि सद्गुरु के वचनों पर विश्वास करके, उनके बताए मार्ग पर चलकर भक्ति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परमात्मा परम-पिता हैं, बिना उनके भक्ति के शांति नहीं मिलती है, गुरु की सेवा करने से सभी देवी-देवताओं की सेवा हो जाती है, जैसे वृक्ष के जड़ में पानी डालने से सभी पत्तों तक पहुंच जाता है। उन्होंने भगवान बुद्ध और भक्त ध्रुव का उदाहरण देते हुए भक्ति के मार्ग को सरलतम ढ़ंग से समझाया। उन्होंने कहा कि सत्संग ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। सोना को जंग नहीं लगता,लोहे को घून नहीं लगता,उसी प्रकार गुरु की चेताई आत्मा कभी नर्क या दुःख नहीं पाती है। स्वामी डॉ निर्मलानंदजी महाराज ने कहा कि जिसके जीवन में गुरु नहीं,उसका जीवन शुरू नहीं। परमात्मा मेहंदी में लाली,दूध में घी और फूलों में सुगंध की तरह व्याप्त हैं, इन्हें भक्ति मार्ग से प्राप्त किया जा सकता है। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि संत के मन में दयाभाव रहता है,उनकी वाणी अकाट्य होती है। भक्ति का सही मार्ग बताते हैं। स्वामी नरेंद्रानंद जी महाराज ने कहा कि सत्संग हमारे अंदर की बुराइयों को समाप्त कर देता है, सत्संगी निंदा - शिकायत की परवाह नहीं करते हैं, बस हाथी की तरह अपने राह चलते हैं। स्वामी सत्यानंद बाबा ने कहा कि पृथ्वी के नीचे जल है पर जहां तहां खोदने से नहीं, एक ही जगह खोदते रहने से मिलता है,उसी तरह भक्ति मनोयोग पूर्वक करनी चाहिए।

मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है : सुदीप गुड़िया

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। युवा सरना समिति तपकारा और सनराइज इंडिजिनस सोशल कल्चरल हेरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भारत माता कल्याण मंडप, तोरपा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुदीप गुड़िया, विशिष्ट अतिथि जुबैर अहमद तथा जिला परिषद सदस्य विरेन कंडुलना ने विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सफलता मिलने पर उत्साहित रहना चाहिए, लेकिन अति उत्साह से बचना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ सभी जरूरतमंद छात्रों को उठाना चाहिए। झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने छात्रों से अपनी उपलब्धियों को आगे भी बनाए रखने और उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुलारी बारला ने की। मौके पर रोहित तानी, सुनील गुड़िया, अनिल गुड़िया, सेनेम गुड़िया, सुनिता गुड़िया, अमिसा बरला, हेरामबी गुड़िया, बिरसा कंडुलना, बंधन गुड़िया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक लोग उपस्थित थे।

खूंटी पुलिस विभाग में फेरबदल, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। जिले के पुलिस महकमे में एक बार फिर प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के निर्देश पर कई पुलिस पदाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार, खूंटी महिला थाना प्रभारी फूलमनी टोप्पो का स्थानांतरण कर उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उनकी जगह पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) सपना सुलेखा को खूंटी महिला थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं एसआई बसंती टुडू को एसटी और एससी थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पुलिस लाइन में पदस्थापित पुलिस निरीक्षक मोहन कुमार को तोरपा अंचल का सर्किल इंस्पेक्टर बनाया गया है। वहीं खूंटी थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह को अतिरिक्त दायित्व देते हुए मारंगहादा अंचल का सर्किल इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया है। विभागीय आदेश जारी होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने नए पदों पर कार्यभार संभालना शुरू कर दिया है। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार यह प्रशासनिक फेरबदल जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराध नियंत्रण की प्रक्रिया को तेज करने और पुलिसिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

झारखंड की शॉर्ट फिल्म नो मोर वॉर को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

कोलकाता-श्रीलंका फिल्म फेस्टिवल में हुआ चयन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के फिल्मकारों के लिए गर्व की बात है कि नौरस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म नो मोर वॉर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। फिल्म का चयन प्रतिष्ठित विवेकानंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, कोलकाता और श्रीलंका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए किया गया है। इस उपलब्धि से राज्य की फिल्म प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमित अक्षत ने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विवेकानंद इंटरनेशनल

फिल्म फेस्टिवल के तहत फिल्म का प्रदर्शन 21 जून को कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित समारोह के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्मकार के लिए अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपनी कृति का चयन होना बड़ी उपलब्धि होती है और यह फिल्म की विषयवस्तु की प्रासंगिकता को भी दर्शाता है।

अमित अक्षत के अनुसार, नो मोर वॉर का मूल उद्देश्य युद्ध, हिंसा और संघर्ष की मानसिकता के विरुद्ध शांति, प्रेम और मानवता का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह विषय और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्हें उम्मीद है कि फिल्म का संदेश अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगा और लोगों को शांति तथा सह-अस्तित्व के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। फिल्म की कहानी 10 वर्षीय बालक शुभ के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने जन्मदिन के अवसर पर वह समाचारों में युद्ध, हिंसा और मानवीय त्रासदी के दृश्य देखकर मानसिक रूप से विचलित हो जाता है। इसी बीच जब उसके पिता उसे उपहार स्वरूप एक खिलौना बंदूक देते हैं, तो वह उसे स्वीकार करने से इनकार कर देता है। बच्चे की यह प्रतिक्रिया फिल्म के केंद्रीय संदेश को सामने लाती है कि मानव जीवन का उद्देश्य युद्ध और हथियार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारा, संवेदनशीलता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व है। फिल्म अपने सरल लेकिन प्रभावशाली कथानक के माध्यम से दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि हिंसा और युद्ध का सबसे अधिक प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। यही कारण है कि फिल्म शांति और मानवीय मूल्यों की वकालत करती नजर आती है। फिल्म में श्रेष्ठ, मनोज सहाय, मेहुल प्रसाद, संदिपिका रॉय और अवनीश भारद्वाज ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने कहानी को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारने में अहम योगदान दिया है।

घरेलू गैस सिलेंडर की दाम में 29 रुपये की बढ़ोतरी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पेट्रोलियम कंपनि?यों ने गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमत 7 जून, 2026 से लागू हो गई है।

घरेलू के दाम बढ़े : घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 केजी) की कीमत 7 मार्च, 2026 को 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। तब घरेलू सिलेंडर का दाम 970.50 रुपये हो गया। इसकी कीमत में 7 जून को 29 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब जून, 2026 में लोगों को 999.50 रुपये देने होंगे।

5 केजी के दाम : कंपनी के अनुसार 5 किलोग्राम वाले

सिलेंडर की कीमत 7 मार्च, 2026 से बढ़ाकर 361.50 रुपये कर दी गई थी। इसका दाम 7 जून, 2026 को भी बढ़ाया गया है। अब ग्राहकों को इसके लिए 371.50 रुपये देने होंगे।

10 केजी की कीमत : पेट्रोलियम कंपनी के अनुसार 10 किलो के गैस सिलेंडर की कीमत 7 मार्च, 2026 को बढ़ाकर 700.50 रुपये हो गई थी। इसका दाम 7 जून को बढ़ाया गया है। अब ग्राहकों कसे इसके लिए 721.00 रुपये देना होगा।

मांडर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने आठ आरोपितों को किया गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची जिले के मांडर थाना क्षेत्र में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज आठ घंटे के भीतर आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा मामले में संलिप्त एक 15 वर्षीय नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्त में आए आरोपितों में पापड़ मुण्डा उर्फ प्रकाश मुण्डा, आयुष उरांव, रामलुस कुजूर, रंजीत उरांव, उमेश भगत, दीपक उरांव, राम उरांव और विकास उरांव शामिल हैं। सभी आरोपितों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। खलारी के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राम नारायण चौधरी ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि छह जून की शाम मांडर थाना क्षेत्र के करगे गांव की एक महिला के लिखित आवेदन के

आधार पर सामूहिक दुष्कर्म की घटना दर्ज की गई और इस पूरे मामले की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई।

डीएसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। इस टीम में मांडर, चान्हों, बुढ़मू और ठाकुरगांव थाना के प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल किए गए। मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए पीड़िता को चिकित्सकीय जांच और उपचार के लिए रांची सदर अस्पताल भेजा। इसके साथ ही विभिन्न थाना क्षेत्रों में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के परिणामस्वरूप मामले में शामिल आठ आरोपितों को आठ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।

डीएसपी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है। अनुसंधान पूरा होने के बाद आरोपितों के विरुद्ध शीघ्र आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल चलाने के लिए न्यायालय से अनुरोध किया जाएगा, ताकि पीड़िता को शीघ्र न्याय मिल सके और आरोपितों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में यदि अन्य किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी तथ्यों और साक्ष्यों को एकत्र कर मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

संक्षिप्त

किराए के मकान से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

रांची। राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित द्वारिकापुरी, कमड़े में पुलिस ने एक किराए के मकान से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जानवीलाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी से मिली सूचना के आधार पर रातू पुलिस द्वारिकापुरी रोड नंबर-9 स्थित एक मकान पहुंची। वहां विनोद प्रसाद के किरायेदार जानवीलाल के कमरे से विभिन्न ब्रांड की कुल आठ पेटी विदेशी शराब बरामद की गई । बरामद शराब में स्टर्लिंग रिजर्व, रॉयल स्टैग, आइकॉनिक व्हाइट, मैकडॉवेल्स नंबर-1 और रॉयल चैलेंज ब्रांड की बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर शराब को जब्त कर लिया। छापेमारी के दौरान मकान बंद मिला और मौके पर कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किये गये। स्थानीय चौकीदारों ने पुलिस को बताया कि आरोपी जानवीलाल को पूछताछ के लिए पहले ही कोतवाली पुलिस अपने साथ ले गई थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद शराब कहां से लायी गई थी और इसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाना था।

नि:शुल्क समर कैंप संपन्न, छात्राओं को मिला बहुआयामी प्रशिक्षण

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा की ओर से रविवार को शिवनारायण विद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय नि:शुल्क समर कैंप समारोह संपन्न हुआ। शिविर के दौरान छात्राओं को योग, आत्मरक्षा, चित्रकला, संगीत, नृत्य और आध्यात्मिक शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर शाखा अध्यक्ष सरिता अग्रवाल और पूर्व अध्यक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को सम्मानित करते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिविर में उषा विजयवर्गीय और निशा ने मंत्रोच्चारण और गीता के श्लोकों का अभ्यास कराते हुए एकाग्रता और मानसिक शांति के महत्व पर प्रकाश डाला। रेखा जैन ने छात्राओं को सहज आर्ट और चित्रकला का प्रशिक्षण दिया, जबकि बेबी शर्मा ने दैनिक जीवन में उपयोगी योगाभ्यास कराया।

राज्य में 28 जून से चलेगा पल्स पोलियो अभियान 61 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में 28 जून से राज्यव्यापी पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 0 से 5 वर्ष तक के 61 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने सभी सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए विस्तृत निर्देश भेजे हैं। अभियान की शुरूआत 28 जून को बूथों पर बच्चों को दवा पिलाने के साथ होगी। इसके बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा

पिलाएंगे। राज्य में इस अभियान के तहत 61,26,679 बच्चों को पोलियो से सुरक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 24,507 बूथ बनाए गए हैं, जहां 49,013 टीमें तैनात रहेंगी। अभियान की निगरानी के लिए 4,901 सुपरवाइजरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ। विजय किशोर रजक ने बताया कि विभिन्न जिलों के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें रांची में 5,05,524 और गिरिडीह में 4,89,227 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य सबसे अधिक है।

झारखंड में प्री-मानसून का असर तेज, 11 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने लगी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। इस दौरान सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर में सर्वाधिक 70.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में प्री-मानसून सिस्टम सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में इसका असर बना रहेगा।

पिछले 24 घंटों में राज्य का

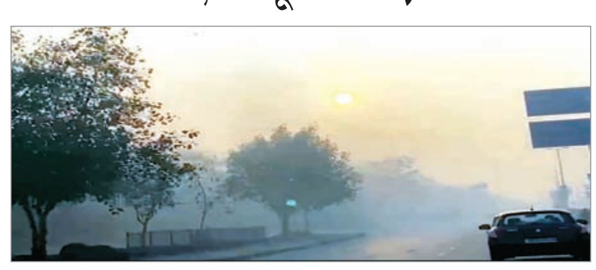

सर्वाधिक तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ।

मौसम में आए बदलाव के कारण अधिकांश जिलों में गर्मी का प्रभाव कम हुआ है। मौसम विभाग ने 11 जून के लिए राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में गर्जन, बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। संभावित मौसमीय गतिविधियों को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न जिलों में 13 जून तक गर्जन, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका को लेकर भी येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों से दूर रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है।

डॉ. सोहिनी बनर्जी रॉय को डॉक्टरेट की उपाधि, छात्र क्लब ग्रुप ने दी बधाई

रांची। विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी रांची निवासी डॉ. सोहिनी बनर्जी रॉय को उनके शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत (एमसीए)

ऐचीवर्स अवार्ड काउंसिल द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रक्रिया एमजेएफ लायन पीडीजी रजनीश कुमार के निर्देशन में संपन्न हुई। डॉ. सोहिनी बनर्जी रॉय, जो एपीपी शंकर बनर्जी की पुत्री हैं, ने युवा वर्ग और सामाजिक सेवा : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया था। आवश्यक जांच एवं मूल्यांकन के उपरांत उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि की जानकारी मिलते ही छात्र क्लब ग्रुप के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ गई। क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सोहिनी बनर्जी रॉय को उनके लालपुर रोड स्थित आवास पर जाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर छात्र क्लब ग्रुप का विस्तार करते हुए डॉ. सोहिनी बनर्जी रॉय को छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच का वरीय संरक्षक भी मनोनीत किया गया। क्लब के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन को नई दिशा मिलेगी।

बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों को रोटरी क्लब ने जर्सी एवं खेल सामग्री दी

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची ने ओरमांझी के महुआ टोली स्थित सचिन तेंदुलकर के युवा फाउंडेशन की बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री वितरण एवं प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने उनके अनुभवों एवं उपलब्धियों को भी जाना। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल, शिन गार्ड, जोड़ी मोजे, पानी की बोतलें तथा शोर्ट, वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त फ्रांस के रोटरी क्लब कॉसाद मिडी क्वेर्सी से प्राप्त 700 जर्सियां युवा फाउंडेशन को दी गयी। इस अवसर पर शिखा गुप्ता ने खिलाड़ियों के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सामाजिक शिष्टाचार पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब केवल खेलों को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इन बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास के क्षेत्र में भी सहयोग करेगा। उन्होंने घोषणा की कि युवा फाउंडेशन की चयनित बालिकाओं को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में शालिनी सिंघानिया, अनुराग, मनीष सिंह, सुधीर मिश्रा, जसदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल, शिखा गुप्ता, श्वेता अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल सहित क्लब के बच्चों का योगदान रहा।

शिवा फाउंडेशन ने बच्चों और अभिभावकों को बांटे पौधे

रांची। शिवा फाउंडेशन ने बरियातू स्थित 'डांस वांस' नृत्य संस्थान परिसर में विशेष पौधरोपण जागरुकता कार्यक्रम रविवार को किया। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि फाउंडेशन के ट्रस्टी दीपक बंका, विशिष्ट अतिथि फाउंडेशन के सदस्य अमित कुमार, डांस वांस नृत्य संस्थान के निदेशक शिवम्‍ मनोहरण, राज लक्ष्मी मिश्रा, समाजसेवी संजीत गाड़ी और शिक्षक सन्नी मुंडा मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि दीपक बंका जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा नृत्य संस्थान के बच्चों एवं उनके अभिभावकों को विभिन्न प्रजातियों के 75 फलदार और छायादार पौधे सप्रेम भेंट किए गए। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रकृति से जोड़ना और पूरे परिवार को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार बनाना है। आयोजन को सफल बनाने में विशाल समद, स्नेहा, शशि रंजन, वैष्णवी, राधिका, वार्षिका, नीलाक्ष, ऋषभ सराहनीय भूमिका निभाई। यह जानकारी अमन ने दी।

सेवा भारती का समर कैंप सह नगर वार्षिकोत्सव सम्पन्न

प्रशिक्षित आठ महिलाओं को अतिथियों ने दिया प्रमाण पत्र

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सेवा भारती, रांची भाग-3 का समर कैंप सह नगर वार्षिकोत्सव 7 जून को चुटिया के साईं कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रांची महानगर के अंतर्गत भाग-3 के तीन नगरों के बाल संस्कार केंद्र के बच्चे, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की महिलाओं सहित 310 लोग मौजूद थे। इस अवसर पर बच्चों ने सामूहिक ब्रह्मानाद, गायत्री मंत्रोच्चार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीता श्लोक, भजन-नृत्य के साथ सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की बहनों ने स्वागत गान

प्रस्तुत किया। मौके पर नृत्य मास्टर शुभम कुमार ने बच्चों को भिन्न-भिन्न मुद्रा में नृत्य कला सीखाकर आनंदित किया।

इस अवसर पर श्रीराम नगर में संचालित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षित आठ महिलाओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मौके पर सेवा भारती के हितचिंतक व समाजसेवी सीए विनोद बांका ने कहा कि सेवा भारती बच्चों को बाल मन से ही संस्कारित करने का कार्य कर रही है। अभावग्रस्त महिलाओं को स्वावलंबन का प्रशिक्षण देकर समाज का नवनिर्माण कर रही हैं। समाजसेवी रोहित प्रसाद ने कहा कि ऐसी सेवा के पवित्र कार्य में समाज को आगे आकर अधिक सहयोग करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में पूर्व अपर आयुक्त (कोयला खान भविष्य निधि) एके सिन्हा एवं जवाहर विद्या मंदिर के पूर्व उप प्राचार्य संजय कुमार ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन किशोरी विकास आयाम की महानगर प्रमुख सपना सिंह और धन्यवाद ज्ञापन रांची भाग-3 के अध्यक्ष परमानंद कुजारा ने किया। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों को कॉपी-कलम, बिस्किट प्रदान किया गया। इस अवसर पर भाग-3 के उपाध्यक्ष सुमित कुमार सिंह, ओम प्रकाश जलान, श्रीमती रश्मि मिश्रा, महावीर प्रसाद सहित नगर निरीक्षिका, शिक्षिकाओं व स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही।

अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन के संचालन में तीन लोगों को पकड़ा गया

जिला प्रशासन को मिली गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के पंडरा में अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन किया जा रहा था। गुप्तन सूचना के आधार पर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर 7 जून, 2026 को छापा मारा गया। तीन लोगों को मौके पर पकड़ा गया। जानकारी हो कि रवि स्टील चौक, पंडरा से लगभग 300 मीटर की दूरी पर शराब दुकान के सामने वाली गली में एक अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाया जा रहा था। जिला प्रशासन को इसकी गुप्त सूचना मिली। इसे लेकर उपायुक्त के निर्देश पर असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के आदेश छापेमारी की गई। इस दौरान तीन व्यक्तियों को पोर्टेबल यूएसजी मशीन के साथ गर्भवती महिलाओं का

अल्ट्रासाउंड करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस दौरान एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट, श्रीमती स्मृति, रातु थाना, पीसी एंड पीएनडीटी के कर्मी एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। पकड़े गए आरोपियों में सुरंजन कुमार (पिता-पुत्र युधेश्वर प्रसाद), अकाश कुमार (पिता-पुत्र रंभू साहू) और शीला कुमारी (पुत्री-महेन्द्र महतो) शामिल हैं। बिना उचित पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन गैर-कानूनी है। यह पीसी एंड पीएनडीटी एक्टी का सीधा उल्लंघन है। इस एक्ट के अंतर्गत लिंग निर्धारण पूर्णतः प्रतिबंधित है। असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने रातु थाना प्रभारी को पत्र लिखकर उक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने और संबंधित साक्ष्यों सहित पूरे मामले पर कोर्ट में दिया जाएगा। इस संबंध में असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि सरकार की कठोर नीति के अनुरूप राज्य में किसी भी प्रकार के लिंग निर्धारण या अवैध अल्ट्रासाउंड प्रैक्टिस को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनजातीय बहुल क्षेत्र में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को मजबूत करने के लिए ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। सिविल सर्जन सदर ने सभी चिकित्सकों, अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों और संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी है कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें मशीन जब्त, लाइसेंस रद्द और जेल की सजा भी शामिल है। जनता से अपील की गई है कि यदि किसी को भी अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्र या लिंग निर्धारण की गतिविधि की जानकारी हो तो तुरंत निकटतम थाने या मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय, रांची में सूचना दें।

अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को दी श्रद्धांजलि

चौक के विकास और प्रतिभा सम्मान की पहल पर बनी सहमति

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। देशव्यापी कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित राष्ट्रीय उत्सव की श्रृंखला में तेरहवां स्मृति कार्यक्रम रविवार को एचईसी धुर्वा स्थित सेक्टर-3 गोलचक्कर के अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव परिवार के सैद्धांतिक प्रतिनिधि ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव ने की। कार्यक्रम के दौरान अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुष्पों की व्यवस्था ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव द्वारा की गई थी। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सुचिता रानी राय, पप्पू चक्रवर्ती, राजेश कुमार, सजल बनर्जी, निपुण कुमार एवं उनकी पत्नी, तपन सिंह, बबलू मुंडा, सौरभ वर्मा एडवोकेट, भूसन सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक के सर्वांगीण विकास के लिए झारखंड सरकार से अनुरोध कर आवश्यक पहल की जाएगी तथा स्थानीय स्तर पर आपसी सहयोग से भी विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान वार्ड पार्षद सुचिता रानी राय ने सुझाव दिया कि मासिक श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के साथ क्षेत्र के मेधावी छात्रों और विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने की परंपरा शुरू की जाए, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के बलिदान को स्मरण करना और उनके आदर्शों को समाज तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

सामूहिक अभियान का गढ़वा में दो सप्ताह और मेराल में एक सप्ताह पूरा

ड्रोन कैमरे और गूगल अर्थ की मदद से बनाई जा रही कार्ययोजना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जनसहभागिता एवं प्रशासनिक सहयोग से संचालित आपन सरस्वतिया अभियान का रविवार को गढ़वा शहर में अभियान के लगातार 14 दिन और मेराल क्षेत्र में लगातार 7 दिन पूरे हो गए। दोनों स्थानों पर सरस्वतिया नदी की सफाई, डी-सिल्टिंग, अतिक्रमण मुक्ति एवं नदी के प्राकृतिक स्वरूप को पुनर्स्थापित करने का कार्य जारी रहा। रविवार को गढ़वा शहर मे एक और मेराल में पांच यानी कुल आधा दर्जन जेसीबी के अलाऊ दो ट्रैक्टरों की सहायता से नदी की सफाई एवं डी-सिल्टिंग का कार्य किया गया। नदी के विभिन्न हिस्सों में वर्षों से जमी गाद, झाड़-झंखाड़, बांस, झाड़ी एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारू बनाने का प्रयास किया गया। कई स्थानों पर नदी क्षेत्र में अवरोध उत्पन्न कर रही अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमित संरचनाओं को भी ध्वस्त कर हटाया गया। अभियान के दौरान नदी की वास्तविक स्थिति, अतिक्रमण एवं सफाई कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए ड्रोन कैमरे की सहायता ली जा रही है। ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से नदी के पूरे प्रवाह क्षेत्र का मूल्यांकन कर आगे की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। तेनार गांव के नागेंद्र प्रजापति इस नेक कार्य के लिए अपना ड्रोन कैमरा एवं अपनी सेवाएं निशुल्क उपलब्ध कराने के लिए आगे आए हैं। अभियान में गूगल अर्थ का भी सहयोग लिया जा रहा है।

जनशक्ति मोर्चा के अध्यक्ष के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। आकाशवाणी चौक पर मंगलवार को युवा जनशक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष अभय कुमार झा के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन किया। जनसमस्याओं और विभिन्न मांगों को लेकर जुटे प्रदर्शनकारी घंटों तक प्रशासनिक अधिकारियों का इंतजार करते रहे। कोई जिम्मेदार पदाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचने से कार्यकर्ताओं का आक्रोश बढ़ गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने विरोध स्वरूप आदित्यपुर मेन रोड को जाम कर दिया। टायर जलाकर और बांस-बल्ली लगाकर मुख्य सड़क को बंद कर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान एम्बुलेंस और मरीजों से जुड़े वाहनों को बिना किसी बाधा के जाने दिया गया। सड़क जाम के महज 20 मिनट बाद प्रशासन हरकत में आया। उपनगर आयुक्त पारुल सिंह खुद घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने मौके का जायजा लिया और प्रदर्शनकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उपनगर आयुक्त ने सभी मांगों को नोट कर ऑन द स्पॉट समाधान की दिशा में पहल की। इसी दौरान स्थानीय नागरिक दिव्यांशु झा ने नगर निगम कर्मचारी रवींद्र राव पर गंभीर आरोप लगाया।

संक्षिप्त

4 साल से फरार चल रहा रंगदार गिरफ्तार

चांडिल। कपाली ओपी पुलिस ने 4 साल से फरार चल रहे रंगदारी के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान इस्लामनगर, कपाली निवासी मो. फिरोज आलम, पिता मो. कलीम के रूप में हुई है। यह कार्रवाई चांडिल थाना कांड संख्या-189/22 दिनांक 18.08.2022 के तहत की गई। उक्त मामले में वादी जाकिर हुसैन के साथ हासाडुंगरी स्थित ईंट भट्ठा के पास धक्का-मुक्की, मारपीट और रंगदारी की घटना हुई थी। घटना के बाद से आरोपी मो. फिरोज आलम फरार चल रहा था। कपाली ओपी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी इलाके में आया है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर मो. फिरोज आलम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय में उपस्थापन कराया गया। न्यायालय के आदेश के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर हुई मौत

सिमरिया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बगरा रांची मुख्य पथ स्थित जबड़ा चेकनाका के पास शनिवार की देर शाम सड़क हादसे में दो युवको की मौके पर मौत हो गयी। मृतकों में दुंदुआ गांव निवासी गणेश भुइयां पिता मुखिया भुइयां व बसंत भुइयां पिता मंगल भुइयां शामिल है।घटना के बाद 108 एंबुलेंस के माध्यम से रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इधर मौत की खबर सुनने के बाद परिजनों में चीख चित्कार से हॉस्पिटल गूंज उठा वहीं गांव में मातम सा छा गया है। जानकारी के अनुसार दोनो युवक जबड़ा बाजार गये हुए थे। बाजार से पेट्रोल पंप तेल भरवाने गये।

गर्भवती महिला और अजन्मे बच्चे की मौत मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

उपायुक्त के आदेश के बाद मेदांता हॉस्पिटल को किया गया सील

उपाधीक्षक डॉ पंकज, सीओ अनिल कुमार व सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह की टीम ने हॉस्पिटल को किया सील

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। बस स्टैंड में संचालित मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के बाद गर्भवती महिला चुकु गांव निवासी लाटो गंझू की 20 वर्षीय गर्भवती पत्नी बैजंती देवी व उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत के मामले में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई किया है। मामला संज्ञान में आने के बाद उपायुक्त रवि आंनद के निर्देश पर गठित टीम ने आरोपी मेदांता हॉस्पिटल को सील कर दिया है। टीम में प्रभारी सिविल सर्जन सह सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार, अंचलाधिकारी अनिल कुमार व सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह शामिल थे। टीम में शामिल अधिकारियों ने देर शाम बस स्टैंड पहुंचकर पहले मेदांता हॉस्पिटल की जांच किया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सक और कर्मी फरार पाए गए। मौके पर सिर्फ मकान मालिक मिले। जिन्होंने बताया कि किराए पर विकास यादव आदि को हॉस्पिटल चलाने के नाम पर घर दिया था। इस दौरान हॉस्पिटल में सिमरिया कसारी का रहने वाला एक मरीज राहुल भुईंया भर्ती मिला। जिसे प्रशासन की टीम ने एंबुलेंस बुलाकर सदर अस्पताल में भेजकर भर्ती कराया। इसके बाद टीम ने हॉस्पिटल के वार्ड, ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर व मुख्य गेट पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया। टीम में शामिल उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने बताया कि मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के बाद एक गर्भवती महिला की मौत का मामला सामने आया है। जांच के दौरान महिला के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। इसके बाद अस्पताल को सील कर दिया गया है।

धुरकी में अवैध बालू कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, टिप्पर व ट्रैक्टर जब्त

गढ़वा। अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ धुरकी पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक टिप्पर और एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, धुरकी थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से बालू उत्खनन कर उसके परिवहन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद थाना प्रभारी जनार्दन राउत के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध बालू लदे एक टिप्पर एवं एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखा है। थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने बताया कि मामले की सूचना खनन विभाग को भी दे दी गई है। संबंधित वाहन मालिकों एवं चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और बालू परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थाना प्रभारी ने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से बालू का उत्खनन या परिवहन करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से भी अवैध खनन की सूचना प्रशासन को देने की अपील की है, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

वाराणसी-रांची कॉरिडोर परियोजना में राहुल सिंह गिरोह के नाम पर मांगी रंगदारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में निमार्णाधीन वाराणसी-रांची इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना के दौरान रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कुडू से उदयपुरा के बीच करीब 810 करोड़ रुपये की लागत से बन रही फोरलेन सड़क परियोजना में कार्यरत कंपनी के कर्मचारियों को कुख्यात ह्राहुल सिंह गिरोहह्व के नाम पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर धमकी दी गई है। घटना के बाद निर्माण कार्य से जुड़े कर्मियों में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने कंपनी के एक कर्मचारी के मोबाइल पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर निर्माण कार्य जारी रखने के एवज में गिरोह को ह्लमैनेजह्व करने अर्थात रंगदारी देने की बात कही। कहा कि मांग पूरी नहीं होने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर आजाद एवं कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार ने निर्माण स्थल का दौरा कर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से जानकारी ली।

दंतार के प्रवासी मजदूर की करंट लगने से मौत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हंटरगंज (चतरा)। ग्राम पंचायत दंतार के परमाचक निवासी एक प्रवासी मजदूर संतोष पासवान पिता भुनेश्वर पासवान की हृदय विदारक घटना सामने आ रही है। भुनेश्वर राम के 35 वर्षीय बड़े पुत्र संतोष पासवान का पानीपत मे करंट लगने से शुक्रवार को मृत्यु हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह काम करनें पानीपत गया था वहाँ से कंपनी के द्वारा पिछले 20 दिन पहले महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित धागा मील में भेजा गया था जहाँ कार्य के दौरान इलेक्ट्रिक शॉक लगने से उसकी मृत्यु हो गई। इनके घर की आर्थिक हालात अत्यंत दयनीय है,जिसकी मजबूरी में वह मजदूरी करनें इतना दूर गया था। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता -पिता, पत्नी ,चार बेटियाँ और दो बेटे को छोड़ कर चले गये। डेड बॉडी को कंपनी के द्वारा एम्बुलेंस के माध्यम से रविवार को घर पहुंचा तो परिजनों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया,पुरे गाँव में शोक की लहर है।

बिशुनपुरा में पाल संघ की प्रखंड स्तरीय कमेटी गठित, अजय पाल बने अध्यक्ष

गढ़वा। बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय में रविवार को पाल समाज की प्रखंड स्तरीय बैठक सह चुनाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिशुनपुरा निवासी पृथ्वीनाथ पाल ने की। संचालन उपप्रमुख प्रतिनिधि अजय पाल ने किया। बैठक में समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती, शिक्षा, सामाजिक एकता एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से पाल संघ की प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। इसमें अजय पाल को प्रखंड अध्यक्ष, पृथ्वीनाथ पाल को उपाध्यक्ष, इंद्रदेव पाल को सचिव, अयोध्या पाल को उप सचिव, अनिल पाल को कोषाध्यक्ष, सुनील पाल एवं विकास पाल को संगठन मंत्री, वसंत पाल को संगठन महामंत्री और उदेश पाल उर्फ छोटू पाल को सूचना प्रभारी चुना गया। इसके अलावा उद्देश्य पाल, अनुज पाल, मुद्रिका पाल (संयोजक), रामनाथ पाल, भीखू पाल, गोपाल पाल, कृष्णा पाल, रमेश पाल, उदय पाल, सूर्यदेव पाल, विजय पाल, हरिनाथ पाल, पप्पू पाल, सोनू पाल, प्रेमचंद पाल एवं राजू पाल समेत अन्य लोगों को संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

रांची में होगी चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक

धनबाद। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें राष्ट्रीय परिषद की बैठक को सफल बनाने एवं संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय परिषद की बैठक रांची जिले में की जाएगी। सर्वसम्मति से सुबोध कुमार को कार्यकारी राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने कहा कि हमारा संगठन 1906 से चलता आ रहा है इस संगठन ने कई हम सभी को एक रहना सिखाया है। महासभा के सलाहकार समिति के संयोजक बिन्देश्वरी प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारा संगठन संवैधानिक रूप से चुनाव कराकर योग्य लोगों को पदधारी बनाता है। मौके पर सुबोध कुमार, डॉक्टर पिंटू कुमार, अनूप सिंह डॉक्टर विकाश रमन, अनिल सिंह, शिवपूजन सिंह, दीपक नवीन, सुरेश सिंह, किशोर वर्मा, अकाश रवानी, धनंजय चंद्रवंशी, जितेंद्र रवानी, पुरुषोत्तम रंजन, अमरजीत कुमार, बिनोद रवानी, अजीत कुमार, अशोक सिंग, प्रेम सिंह सहित अन्य, उपस्थित थे।

हाजी साबिर हुसैन के निधन पर रेड क्रॉस में शोक सभा, सदस्यों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, चतरा के सक्रिय एवं समर्पित सदस्य हाजी साबिर हुसैन के निधन पर रविवार को रेड क्रॉस कार्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के सचिव धर्मेन्द्र पाठक ने की। सभा की शुरूआत हाजी साबिर हुसैन की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर की गई। उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेन्द्र पाठक ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हाजी साबिर हुसैन का निधन रेड क्रॉस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस ने केवल एक सक्रिय सदस्य ही नहीं, बल्कि एक अनुभवी मार्गदर्शक, अभिभावक और समाजसेवी व्यक्तित्व को खो दिया है। उनके अनुभव, सुझाव और संगठन के प्रति समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा। उनके निधन से हुई क्षति की भरपाई कभी संभव नहीं हो सकेगी। रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष गोपाल वर्मा ने कहा कि संगठन के कार्यों के दौरान जब भी किसी प्रकार की उलझन या समस्या सामने आती थी, तो हाजी साबिर हुसैन का मार्गदर्शन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनता था। उन्होंने हमेशा संगठन और समाजहित में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। उनका व्यक्तित्व सरल, सहयोगी और सेवा भावना से परिपूर्ण था। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। शोक सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने हाजी साबिर हुसैन के सामाजिक योगदान, मानवीय मूल्यों और रेड क्रॉस के प्रति उनकी निष्ठा को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक व्यक्त करने वालों में रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन विवेक केशरी, मेडिकल इंचार्ज डॉ. विजय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य संतन पांडेय, पंकज दूबे, चंद्रदेव गोप, जितेंद्र जैन, नशीरुद्दीन अंसारी, अजय चौरसिया, आकाश सिंह, रविन्द्र मित्तल, जावेद पप्पू रजा, रेड क्रॉस कर्मी रत्नेश कुमार, सुप्रिया कुमारी, सुमन कुमारी, विजय कुमार, मधुलता कुमारी, तापेश्वर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

चय परगना ब्रह्मर्षि समाज का संकल्प: हर बच्चे तक पहुंचेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चौपारण। ब्रह्मर्षि समाज चय परगना कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को अध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में उनके आवास पर आयोजित की गई। बैठक में समाज के संगठनात्मक विकास, शैक्षणिक उन्नति तथा सामाजिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने समाज में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने तथा नई पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण आधार है और इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि ₹किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा, संस्कार और संगठन की मजबूती से होती है। ब्रह्मर्षि समाज हमेशा से शिक्षा को प्राथमिकता देता आया है। हमारा प्रयास है कि समाज का प्रत्येक बच्चा बेहतर शिक्षा प्राप्त करे और नई पीढ़ी सामाजिक मूल्यों के साथ आगे बढ़े। इसके लिए सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा। बैठक में सर्वसम्मति से चतरा जिले के बड़गांव निवासी शिक्षक अभिमन्यु कुमार सिंह को ब्रह्मर्षि समाज चय परगना का लेखापाल मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा संगठन के कार्यों को मजबूती प्रदान करने की उम्मीद जताई। बैठक में सचिव सत्यानंद सिंह, संचालन समिति के अध्यक्ष ब्रह्मदेव पांडेय, सुखदेव सिंह, राजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, सतीश सिंह, अरविंद कुमार सिंह, राज कुमार सिंह, श्रीकांत सिंह, भागवत सिंह, राम सेवक सिंह, दिनेश सिंह, प्रमोद सिंह, विद्या सागर सिंह, करुणा सिंह, राम स्वरूप सिंह व बबलू सिंह सहित कार्यकारिणी समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

बालू लदे ट्रैक्टर के पलटने से 17 वर्षीय नाबालिग चालक की मौत

अवैध खनन और प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

परिवार का इकलौता सहारा उजड़ा, ग्रामीणों ने पूछा- नाबालिग के हाथ में स्टेयरिंग किसने थमाया?

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चौपारण/हजारीबाग। बरही अनुमंडल के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत भगहर में एक दर्दनाक हादसे में बालू लदे ट्रैक्टर के पलटने से नाबालिग चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सेल्हारा गांव निवासी महाबीर भोक्ता के 17/18 वर्षीय पुत्र अनिल भोक्ता के रूप में हुई है। ट्रैक्टर बुढ़ियाडाबर निवासी कैलाश यादव का बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर अवैध बालू लेकर तेज रफ्तार में जा रहा था। भगहर के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलटा और चालक अनिल ट्रैक्टर के नीचे दब गया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर में पसरा मातम, इकलौता कमाने वाला था अनिल

अनिल की मौत की खबर सुनते ही सेल्हारा गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि अनिल गरीब परिवार से था और घर चलाने के लिए मजबूरी में ट्रैक्टर चलाता था।

ग्रामीणों के तीखे सवाल - जिम्मेदार कौन?

इस हादसे ने एक बार फिर अवैध बालू ढुलाई और नाबालिगों से भारी वाहन चलवाने की प्रथा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राहरगोड़ा में ओवरब्रिज-अंडरपास बनाने की मांग को लेकर सड़क जाम और विरोध-प्रदर्शन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के राहरगोड़ा रेलवे फाटक पर वर्षों से लंबित ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर रविवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आया। सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर टायर जलाए, धरना-प्रदर्शन किया और मुख्य मार्ग को जाम कर रेलवे प्रशासन तथा रेल मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी के प्रतिनिधि मिथुन चक्रवर्ती और उत्तर पश्चिम गदरा पंचायत की मुखिया सुनीता नाग के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांगों की अनदेखी की जा रही है, जबकि रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम और दुर्घटनाओं की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि राहरगोड़ा, सलगाझुड़ी, बारीगोड़ा और गोविंदपुर रेलवे फाटक पर प्रतिदिन घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे हजारों लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि फाटक लंबे समय तक बंद रहने के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देरी होती है, विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और कामकाजी लोगों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दशकों से आबाद इस क्षेत्र को शहर से जोड़ने वाला यह प्रमुख मार्ग है, लेकिन इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कई छोटे और कम आबादी वाले क्षेत्रों में रेलवे अंडरपास तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण कराया जा चुका है, जबकि घनी आबादी वाले इस क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि चुनाव से पहले ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण का शिलान्यास किया गया था, जिससे लोगों में उम्मीद जगी थी। हालांकि तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा और नाराजगी बढ़ती जा रही है। मुखिया सुनीता नाग ने कहा कि रेलवे फाटक पर लगातार हो रही दुर्घटनाएं और जाम की समस्या क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के लोग एकजुट होकर व्यापक जनआंदोलन छेड़ेंगे।

लोधी समाज ने सामुदायिक भवन के लिए विधायक सरयू राय से लगाई गुहार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महासभा ने समाज के सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक सामुदायिक भवन उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में रविवार को महासभा के संस्थापक राजकुमार सिंह लोधी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय को मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि लोधी समाज लंबे समय से विभिन्न सामाजिक,सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। इसके बावजूद समाज के पास अपना कोई सामुदायिक भवन नहीं है, जिसके कारण बैठकों, सामाजिक आयोजनों और अन्य कार्यक्रमों के संचालन में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। महासभा ने मांग की कि जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के किसी उपयुक्त स्थान पर समाज को एक सामुदायिक भवन उपलब्ध कराया जाए।

संक्षिप्त

नौकरी बहाली की आस में सरयू राय के दरवाजे पहुंचे एटीएम सुरक्षा गार्ड

पूर्वी सिंहभूम। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम केंद्रों पर वर्षों से सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का रोजगार संकट गहराता जा रहा है। नई सुरक्षा एजेंसी सीआईएसएस के आने के बाद करीब 140 सुरक्षा गार्डों को बिना स्पष्ट कारण बताए कार्य से हटा दिए जाने का मामला अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। रविवार को नौकरी से हटाए गए सुरक्षा गार्डों का एक प्रतिनिधिमंडल असंगठित क्षेत्र मजदूर प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि अमित शर्मा के साथ जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय से मिला और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। गार्डों ने बताया कि उनमें से कई पिछले 10 से 15 वर्षों से एसबीआई के विभिन्न एटीएम केंद्रों की सुरक्षा में तैनात थे।

हजारीबाग झील 'नो व्हीकल जोन' विवाद में नया मोड़

हजारीबाग। शहर के झील परिसर को 'नो व्हीकल जोन' घोषित करने को लेकर चल रहे विवाद के बीच नगर निगम के उपमहापौर अविनाश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में झील क्षेत्र को वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने का कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। उपमहापौर के अनुसार, पूर्व में इस विषय पर बोर्ड बैठक में चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन बोर्ड ने किसी अंतिम निर्णय पर मुहर नहीं लगाई। बैठक में केवल जिला प्रशासन से इस संबंध में पत्राचार और विचार-विमर्श करने की बात कही गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि झील परिसर को 'नो व्हीकल जोन' घोषित करने का अधिकार केवल नगर निगम के दायरे में नहीं आता। अविनाश यादव ने कहा कि नगर निगम की कार्यवाही में कहीं भी इस व्यवस्था को लागू करने का निर्णय दर्ज नहीं है।

796 एकड़ खास महाल जमीन की होगी पड़ताल

हजारीबाग। जिले में सरकारी खास महाल भूमि की स्थिति, लीज नवीकरण और संभावित अतिक्रमण की जांच के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि जिले के 22 मौजों में फैली 796.17 एकड़ खास महाल भूमि का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा।

वंदे भारत डिपो हादसा में टेक्नीशियन की मौत के बाद रेलवे स्टेशन पर धरना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन स्थित वंदे भारत एक्सप्रेस डिपो में करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे टेक्नीशियन आशीष मांझी की मौत के बाद रविवार को परिजनों और स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। आशीष की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग रेलवे स्टेशन पहुंचे और मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी एवं दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। परसुडीह निवासी आशीष मांझी 30 मई की रात वंदे भारत ट्रेन की एसी प्रणाली की मरम्मत के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गए थे। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया था, जहां कई दिनों तक इलाज के बाद शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। आशीष की मौत के बाद रविवार सुबह परिजन टाटानगर जीआरपी थाना भी पहुंचे और हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। परिजनों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने मामले में शामिल सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। इस बीच,आशीष की ठेका कंपनी अमित इंजीनियर्स ने पहले ही रेल थाना, आरपीएफ और स्थानीय थाना को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि उचित इलेक्ट्रिकल आइसोलेशन और पावर शटडाउन सुनिश्चित किए बिना कर्मचारी को ट्रेन की छत पर काम करने भेजा गया था।

रूंगटा समर क्रिकेट कैंप 2026 का सफल समापन डीआईजी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

चाईबासा। आयोजित रूंगटा समर क्रिकेट कैंप 2026 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान क्षेत्र के डीआईजी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। डीआईजी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ मेहनत करने और भविष्य में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कैंप में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस और क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खिलाड़ियों में कैंप को लेकर काफी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में रूंगटा प्रबंधन, खेल प्रशिक्षक, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर से क्षेत्र की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को अपनी क्षमता निखारने का बेहतर अवसर मिलेगा।

पुलिस केंद्र चाईबासा में आज विशाल रक्तदान शिविर, प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण

चाईबासा। पुलिस मेंस एसोसिएशन शाखा चाईबासा एवं पुलिस परिवार के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस केंद्र चाईबासा में 08 जून 2026 को प्रातः 8:30 बजे से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। रक्तदान शिविर की तैयारियों का जायजा लेने रविवार को सिविल सर्जन जुझार माझी एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार पुलिस केंद्र पहुंचे। अधिकारियों ने शिविर स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अमित रेनू, सिविल सर्जन एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा फीता काटकर किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी एवं पुलिस परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में भाग लेंगे। निरीक्षण के दौरान परिवहन शाखा प्रभारी सुनील किस्पोट्टा, पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप ओलिभर मिंज, उपाध्यक्ष किशन मुर्मू, मंत्री ताराचंद महतो, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र माझी तथा संयुक्त सचिव अनूप लकड़ा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस मेंस एसोसिएशन ने अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में भाग लेने की अपील की है। रक्तदान महादान है, आपका एक यूनिट रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है।

चटाई में लिपटा मिला सड़ा-गला शव, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी के समीप रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद किया गया। शव चटाई में लिपटा हुआ था और उससे तेज दुर्गंध निकल रही थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला मानते हुए जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह कुछ ग्रामीण अपने दैनिक कार्य के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रेलवे कॉलोनी के समीप उनकी नजर एक संदिग्ध अवस्था में पड़ी चटाई पर गई। चटाई से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों को संदेह हुआ।

एनटीएचए के दो खिलाडियों ने भारत को दिलाया अंडर-18 एशिया कप का स्वर्ण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। जापान के काकामिगाहारा में आयोजित पुरुष अंडर-18 एशिया कप हॉकी 2026 में भारत की ऐतिहासिक स्वर्णिम सफलता में जमशेदपुर की नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) के दो कैडेटों ने अहम भूमिका निभाई। अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में भारत अपराजित रहा और उसने एशिया की मजबूत टीमों को मात देते हुए अपना दबदबा कायम रखा। टूर्नामेंट में आशीष तानी पूर्ति सबसे बड़े सितारे बनकर उभरे। उन्होंने 13 गोल दागकर प्रतियोगिता के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी का सम्मान हासिल किया। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों मुकाबलों में लगातार हैट्रिक लगाकर उन्होंने अपनी असाधारण क्षमता का परिचय दिया। जापान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में उनके तीन गोलों ने भारत की जीत सुनिश्चित की, जिसके लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

कटकमसांड़ी में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जागरूकता बैठक संपन्न

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

कटकमसांड़ी। प्रखंड सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं जनगणना संबंधी जागरूकता बैठक का आयोजन अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए अंचल अधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी पात्र नागरिकों से 14 एवं 15 जून तक अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 के बाद जन्म लेने वाले नागरिकों को नाम जोड़ने के लिए माता-पिता दोनों का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने जानकारी दी कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र वितरित करेंगे। नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए प्रपत्र बीएलओ को जमा करने होंगे। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को किया जाएगा, जबकि 4 सितंबर से 3 अक्टूबर तक दावा-आपत्ति एवं त्रुटि सुधार का अवसर मिलेगा। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम आयोजित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त मनीष कुमार के मार्गदर्शन में वनपाल प्रशिक्षण सभागार, चाईबासा में पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) झारखंड नियमावली-2025 (पेसा) पर एक दिवसीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं शहीद पोटो हो तथा भगवान बिरसा मुंडा के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सम्मेलन में जिला स्तरीय पदाधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों, सभी 18 प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों, डीपीएम, विभिन्न प्रखंडों के मानकी-मुंडा, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों तथा पंचायती राज विभाग के कर्मियों ने भाग लिया। राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में राज्य पेसा समन्वयक सुधीर पाल ने पेसा नियमावली-2025 के प्रावधानों, इसके अनुपालन के लिए अब तक किए गए प्रयासों तथा अधिनियम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विस्तृत उत्तर देते हुए पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट किया। बैठक के दौरान पेसा नियमावली के कार्यान्वयन में सामने आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर भी गंभीर चर्चा हुई। सभी प्रतिभागियों ने अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने तथा पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन सुशांत कर ढोके एवं मनोज कुमार सोय भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

कांग्रेस नेता परविंदर सिंह ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित होगी। रविवार को जारी बयान में परविंदर सिंह ने कहा कि देश में पहले से ही पेट्रोल, डीजल और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे समय में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने से मजदूरों, किसानों, निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्गीय परिवारों की परेशानियां और बढ़ जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही है, जबकि लोगों की आय और रोजगार के अवसरों में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो पाई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रसोई गैस आज हर परिवार की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में इसकी कीमत में वृद्धि का सीधा असर घरों के मासिक बजट पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सीमित आय वाले परिवारों के लिए घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना और कठिन हो जाएगा। विशेष रूप से महिलाओं को रसोई का बजट संभालने में अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। परविंदर सिंह ने केंद्र सरकार से एलपीजी सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमत को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम लोगों को राहत देने की होनी चाहिए, न कि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रही है और आगे भी महंगाई, बेरोजगारी तथा जनहित के अन्य विषयों पर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी आम लोगों के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी और जनता की समस्याओं को सरकार के समक्ष मजबूती से रखेगी।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारखूँगी थाना क्षेत्र स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, अंधारी में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी गए सभी सामान भी बरामद कर लिए हैं।जानकारी के अनुसार, विद्यालय से 8 दीवार पंखे, 9 लोहे के बेड (प्लाई सहित) तथा 4 गद्दे चोरी होने की शिकायत विद्यालय प्रतिनिधि सरदार आल्डा ने 6 जून को कुमारखूँगी थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर कुमारखूँगी थाना कांड संख्या 17/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगन्नाथपुर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान और त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में राम हेम्ब्रम (38) और रासिका हेम्ब्रम (31) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए 9 लोहे के बेड, 4 गद्दे तथा बजाज कंपनी के 8 दीवार पंखे बरामद कर जब्त कर लिए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रासिका हेम्ब्रम का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रफायल मुर्मू, झींकपानी अंचल पुलिस निरीक्षक बासुदेव मुण्डा, कुमारडुंगी थाना प्रभारी सुनील कुमार चौधरी, मिलन करमाली, सोमाय टुडू, सुनील कुमार यादव सहित कुमारखूँगी थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

संपादकीय

जांच के बाद खामोशी...

देश में होने वाली हर बड़ी दुर्घटना के बाद एक परिचित क्रम देखने को मिलता है–हादसा, हाहाकार, जांच समिति का गठन, मुआवजे की घोषणा और फिर धीरे-धीरे सब कुछ खामोशी में गुम हो जाना। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इन त्रासदियों से कोई सबक लिया जाता है? हाल के दिनों में दिल्ली और बिहार में हुई अग्निकांड की घटनाओं ने एक बार फिर इस प्रश्न को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की थी, जो इलाज के लिए भारत आए थे। इसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित एक निजी अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से पांच मरीजों की जान चली गई। दोनों घटनाएं अलग-अलग स्थानों पर हुईं, लेकिन इनके पीछे छिपी कहानी एक ही है–लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही का अभाव। अस्पताल और होटल ऐसे स्थान हैं, जहां लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल में मरीज जीवन बचाने की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, जबकि होटल में ठहरने वाले लोग सुरक्षित वातावरण की अपेक्षा करते हैं। यदि इन्हीं स्थानों पर अग्नि सुरक्षा के बुनियादी मानकों का पालन नहीं हो रहा है, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानव जीवन के प्रति गंभीर उदासीनता का प्रमाण है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि देश में आग लगने की अधिकांश घटनाओं के बाद जांच में अग्निशमन मानकों की घोर अनदेखी सामने आती है। आपातकालीन निकास मार्ग बंद मिलते हैं, अग्निशमन यंत्र अनुपयोगी पाए जाते हैं, विद्युत व्यवस्था जर्जर होती है और सुरक्षा प्रमाणपत्र महज कागजी औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। सवाल यह है कि जब ये कमियां पहले से मौजूद थीं, तो संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? मुजफ्फरपुर हादसे के बाद जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। दिल्ली में भी जांच और कार्रवाई के आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन देश की जनता जानती है कि ऐसी अधिकांश जांच रिपोर्टें फाइलों में दबकर रह जाती हैं। शायद ही कभी किसी अधिकारी या संस्थान की जवाबदेही इतनी कठोरता से तय की जाती हो कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रुक सके। वास्तविक आवश्यकता केवल जांच समितियां बनाने की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले अस्पतालों, होटलों और अन्य संस्थानों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। साथ ही, निरीक्षण करने वाले सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

जब अपनों से ही खतरा बढ़े...

अखिलेश आर्येंदु

आए दिन क्रूरता और स्त्रियों की गरिमा का हनन करने वाले अपराधों के ब्योरे मन को झकझोर देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट कहती है कि हिंसा और यौन शोषण की घटनाओं में वर्ष 2000 के बाद लगातार वृद्धि हो रही है। यदि पिछले एक दशक के आंकड़े ही निकालकर देखें, तो पता चलता है कि समाज अराजकता और शोषण की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसमें वह कथित सभ्य समाज भी है, जो खुद को पढ़ा-लिखा और उच्च मानता है। दूसरों का भरोसा जीतकर धोखा देने या विश्वासघात करने वालों की संख्या भी इस समय बढ़ गई है। ऐसे में किसी पर भी यकीन करना मुश्किल होता जा रहा है। आज एक तरफ समाज में शिक्षा, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक प्रगति से आम आदमी में खुशहाली लाने की बात हो रही है, तो दूसरी तरफ समाज में बढ़ती हैवानियत बता रही है कि समाज आज किस दिशा में जा रहा है। राज्य सरकारें आम आदमी की सुरक्षा पहले से बेहतर होने का दावा करती रही हैं, लेकिन बढ़ते अपराध इस दावे को झुठलाते हैं। गौर करें तो 16 दिसंबर 2012 से लेकर 2026 के दौरान हैवानियत की घटनाओं में ही वृद्धि नहीं हुई है, बल्कि क्रूरता का स्तर भी चरम पर पहुंच गया। वर्ष 2012 में दिल्ली में निर्भया कांड ने पूरे देश को उद्वेलित कर दिया था।

निर्भया मामले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा मानकों में कई सुधार किए, बावजूद इसके क्रूरता की हदें पार करने वाली घटनाएं होती रहीं। इस पर पुलिस और सुरक्षा से जुड़ी अन्य एजेंसियों पर सवाल खड़े किए गए। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं घटती रही हैं। निर्भया कांड के बाद महिलाओं और लड़कियों की असुरक्षा को लेकर एक राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई थी। इसके बाद केंद्र ने आपराधिक कानूनों में संशोधन, निर्भया फंड की स्थापना, त्वरित सुनवाई अदालतों की शुरूआत के साथ किशोर अपराध कानून पर पुनर्विचार किया। फिर भी आपराधिक घटनाओं में कोई कमी नहीं आई।

वर्ष 2018 में जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अपहरण, बलात्कार और हत्याकांड ने निर्भया कांड की यादें फिर ताजा कर दी थीं। फिर 2019 में हैदराबाद में महिला चिकित्सक की हत्या, 2020 में हाथरस कांड और इसी वर्ष उन्नाव में हुई घटना ने पूरे देश को एक बार फिर झकझोर कर रख दिया था। मुंबई में 2013 में महिला फोटो पत्रकार और बाद में एक अन्य महिला से सामूहिक बलात्कार, अजमेर में सामूहिक यौन शोषण तथा बदायूं में दो किशोरियों के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं थीं। सवाल यह है कि कठोर कानून, त्वरित सुनवाई अदालतों के गठन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने के बाद भी घटनाओं में कमी क्यों नहीं आई है? सवाल यह भी है कि शिक्षा का स्तर और जागरूकता बढ? के बावजूद बाल यौन शोषण में कमी आने के बजाय लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है? वर्ष 2012 में केंद्र सरकार ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण के लिए अधिनियम-2012 नामक एक विशेष कानून पारित किया था और बच्चों के साथ हुए अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की स्थापना की। मगर दस वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि न्यायालयों की स्थापना के बाद 2023 तक पाक्सो से संबंधित दो लाख 43 हजार से अधिक मामले लंबित थे। एक सर्वेक्षण के मुताबिक हर दस बच्चों में से एक बच्चा यौन शोषण और हिंसा से प्रभावित है। इसी तरह यौन शोषण के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की औसत उम्र नौ साल है।

सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में, जहां पिछले आठ वर्षों में आम आदमी की सुरक्षा पर सबसे ज्यादा गौर किया गया, वहां भी यौन अपराध की दर में कमी नहीं आई है। अक्तूबर 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल अपराधों में से बच्चों के साथ किए गए अपराध 45 प्रतिशत से अधिक हैं। इससे साबित होता है कि बच्चों के साथ हिंसा, क्रूरता और बलात्कार के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। यह तब है जब अपराधी की क्रूरता को देखते हुए उसे अधिकतम सजा दिए जाने का प्रावधान है। इसका मतलब है कि वर्ष 2012 में बनाया गया पाक्सो कानून अपराधियों पर नकेल कसने में नाकाम रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक बाल यौन शोषण, बच्चों के साथ क्रूरता और हिंसा वाले मामलों में ज्यादातर मामले अपहरण किए गए बच्चों से संबंधित हैं। अपहरण के मामलों में लड़कियों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके अलावा मानव तस्करी के मामले भी बहुत बड़ी संख्या में सामने आए हैं। ये आंकड़े बयान करते हैं कि बाल यौन शोषण रोकने के लिए केवल कानून ही काफी नहीं है, बल्कि बच्चों को हर तरह से जागरूक करने की भी जरूरत है। चिंता की बात यह है कि ऐसे कई मामलों में सगे-संबंधियों ने भी भरोसा तोड़ा। हजारों की संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इस साल रामभुवन का मामला चर्चा में रहा। सवाल यह है कि समाज में रिश्तों की पवित्रता पर दाग लगाने वालों की संख्या लगातार क्यों बढ़ रही है? रिश्तों की विश्वसनीयता खत्म होना सभ्य समाज के पतन का सूचक है, फिर आर्थिक, शैक्षिक और विचारात्मक विकास का क्या मतलब रह जाता है?

यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 20 वर्ष से कम उम्र की कम से कम 12 करोड़ लड़कियों का हर साल यौन शोषण किया जाता है। इनमें 90 प्रतिशत लड़कियों ने स्वीकार किया कि उन्हें यौनकर्मी बनाने के लिए ले जाने वाला व्यक्ति परिचित, दोस्त या उनका ही सगा था। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि जान-पहचान के लोग ही नाजायज फायदा उठाते हैं। सवाल यह है कि जब ऐसे लोगों में कानून का डर खत्म हो गया है और संबंधों की पवित्रता को तार-तार करने वालों की बाढ़ आ गई हो, तो समाज में महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को किस तरह सुरक्षित किया जा सकता है? समाज में बढ़ती अपराध की प्रवृत्ति में यदि अपने ही लोग दाग लगाने लगे हों, तो आपसी रिश्तों को कैसे बचाया जा सकता है? आज के दौर में जब बच्चों का सारा ध्यान मोबाइल गेम, रील और वीडियो पर केंद्रित हो गया हो, तो उनको समझाने के लिए कौन-सा तरीका बेहतर रहेगा? कठोर कानून का भी लोगों में डर नहीं है, तो यौन अपराधों को किस तरह रोका जाएगा? देश में परिवार का स्वरूप भी कमजोर पड़ रहा है। बच्चे एकाकी जिंदगी जीने के अभ्यस्त हो गए हैं। वे बिना सोचे-समझे अनजान लोगों पर भरोसा कर लेते हैं और अपने साथ हुई घटना माता-पिता को नहीं बताते। यही वजह है कि अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति बच्चों को लालच देकर उनका शोषण करने लगते हैं। यह स्थिति बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इसको रोकने के लिए परिवार और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। बच्चों को जब तक हर तरह से जागरूक नहीं बनाया जाएगा, तब तक उन्हें बचाना संभव नहीं।

– लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

निर्भया मामले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा मानकों में कई सुधार किए, बावजूद इसके क्रूरता की हदें पार करने वाली घटनाएं होती रहीं। इस पर पुलिस और सुरक्षा से जुड़ी अन्य एजेंसियों पर सवाल खड़े किए गए। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं घटती रही हैं। निर्भया कांड के बाद महिलाओं और लड़कियों की असुरक्षा को लेकर एक राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई थी। इसके बाद केंद्र ने आपराधिक कानूनों में संशोधन, निर्भया फंड की स्थापना, त्वरित सुनवाई अदालतों की शुरुआत के साथ किशोर अपराध कानून पर पुनर्विचार किया। फिर भी आपराधिक घटनाओं में कोई कमी नहीं आई। वर्ष 2018 में जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अपहरण, बलात्कार और हत्याकांड ने निर्भया कांड की यादें फिर ताजा कर दी थीं। फिर 2019 में हैदराबाद में महिला चिकित्सक की हत्या, 2020 में हाथरस कांड और इसी वर्ष उन्नाव में हुई घटना ने पूरे देश को एक बार फिर झकझोर कर रख दिया था। मुंबई में 2013 में महिला फोटो पत्रकार और बाद में एक अन्य महिला से सामूहिक बलात्कार, अजमेर में सामूहिक यौन शोषण तथा बदायूं में दो किशोरियों के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं थीं। सवाल यह है कि कठोर कानून, त्वरित सुनवाई अदालतों के गठन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने के बाद भी घटनाओं में कमी क्यों नहीं आई है? सवाल यह भी है कि शिक्षा का स्तर और जागरूकता बढ? के बावजूद बाल यौन शोषण में कमी आने के बजाय लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है? वर्ष 2012 में केंद्र सरकार ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण के लिए अधिनियम-2012 नामक एक विशेष कानून पारित किया था और बच्चों के साथ हुए अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की स्थापना की। मगर दस वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि न्यायालयों की स्थापना के बाद 2023 तक पाक्सो से संबंधित दो लाख 43 हजार से अधिक मामले लंबित थे। एक सर्वेक्षण के मुताबिक हर दस बच्चों में से एक बच्चा यौन शोषण और हिंसा से प्रभावित है।

मोदी 10 जून को रचने जा रहे हैं सबसे बड़ा इतिहास

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है। दस जून को वह देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस लंबे कार्यकाल को पीछे छोड़ देंगे, जिसे दशकों तक भारतीय राजनीति का सबसे मजबूत अध्याय माना जाता रहा। मई 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी दस जून 2026 तक लगातार चार हजार 399 दिनों तक देश का नेतृत्व कर चुके होंगे, जबकि नेहरू का लगातार निर्वाचित कार्यकाल चार हजार 398 दिनों का था। यह केवल समय का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप का प्रतीक भी है। एक ओर नेहरू का दौर था, जब कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत के सहारे लगभग निर्विरोध सत्ता में थी, वहीं दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का उदय बेहद कठिन और प्रतिस्पर्धी राजनीतिक माहौल में हुआ। मोदी ने पहले गुजरात में लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतकर अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक क्षमता साबित की और फिर पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया। साल 2014 भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने तीन दशकों बाद किसी गैर कांग्रेसी दल को पूर्ण बहुमत दिलाया। कांग्रेस मात्र 44 सीटों पर सिमट गई और देश में गठबंधन युग की राजनीति को निर्णायक चुनौती मिली। इसके बाद 2019 में भाजपा ने और भी बड़ी जीत दर्ज करते हुए तीन सौ तीन सीटें हासिल कीं। वर्ष 2024 में भले ही पार्टी अपने दम पर बहुमत से थोड़ी दूर रही, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने फिर सत्ता बरकरार रखी।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक सफर उनकी संगठन क्षमता और जनसंपर्क कौशल का भी उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भूकंप के बाद बदहाल स्थिति में राज्य की कमान संभाली और विकास आधारित प्रशासन को नई पहचान दी। यही मॉडल बाद में पूरे देश में चर्चा का विषय बना। गुजरात में लगातार तीन चुनाव जीतकर वह राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री बने। मोदी सरकार के

कार्यकाल में कई ऐसे फैसले हुए जिन्हें दशकों तक असंभव माना जाता था। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक समाप्त करना और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना, ऐसे ऐतिहासिक कदम रहे जिन्होंने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। भाजपा समर्थकों का मानना है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास के संतुलन ने मोदी को देश की जनता के बीच असाधारण स्वीकार्यता दिलाई।

प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्व स्तर पर भी उनकी पहचान एक मजबूत और निर्णायक नेता के रूप में बनी है। विभिन्न वैश्विक सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता दुनिया के कई लोकतांत्रिक नेताओं से कहीं अधिक दर्ज की जाती रही है। डिजिटल माध्यमों पर भी उनकी पहुंच अत्यंत प्रभावशाली है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने जनता से सीधा संवाद स्थापित कर एक नई राजनीतिक शैली की शुरूआत सबसे पहले की थी, जिसका उन्हें भरपूर लाभ मिला। मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का भौगोलिक विस्तार भी अभूतपूर्व रहा है। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन केवल सात राज्यों में सत्ता में था, जबकि अब यह संख्या 21 हो चुकी है। पूर्वोत्तर से लेकर पूर्वी तथा दक्षिण भारत तक भाजपा ने अपने संगठन और जनाधार को मजबूत किया है। संसद में भी पार्टी की ताकत लगातार बढ़ी है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में भाजपा की उपस्थिति पहले की तुलना में कई गुना मजबूत हुई है। आर्थिक मोर्चे पर भी मोदी सरकार ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में तेज गति से विस्तार किया है। वर्ष 2014 में दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा भारत अब चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 4.3 खरब डॉलर तक पहुंच गया है। जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी से पीछे है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह लंबा कार्यकाल केवल राजनीतिक स्थायित्व का उदाहरण नहीं, बल्कि बदलते भारत की नई पहचान भी बन गया है। उन्होंने भारतीय राजनीति की भाषा, शैली और प्राथमिकताओं को बदलते हुए विकास, राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृत्व का ऐसा मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसने उन्हें समकालीन भारत का सबसे प्रभावशाली नेता बना दिया है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत केवल आर्थिक और राजनीतिक रूप से ही मजबूत नहीं हुआ, बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मविश्वास से भरे नए राष्ट्र के रूप में उभरा है। घरेलू उत्पादन, रक्षा निर्माण, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और आधारभूत ढांचे के विस्तार ने भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है। वहीं वैश्विक मंच पर मोदी की कूटनीति ने भारत की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अमेरिका से लेकर पश्चिम एशिया, यूरोप से लेकर इंडो पैसिफिक तक भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और भारत केंद्रित विदेश नीति ने यह साबित किया है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुका है।

– लेखक के निजी विचार हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

8 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 159 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.28 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.31 बजे तदनन्तर कौलव 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872734
जूलियन दिन 2461199.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 22
विशेष अधिक कालाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.47 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.00 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.16 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.28 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.39 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.54 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.01 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मीन	00.34 बजे से
		मेष	02.05 बजे से
		वृष	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8885

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला (अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8884 का हल

■	स	ला	म	त	■	ल	ल	क
दा	दा	■	न	म	न	■	■	ल
म	चा	न	■	स	र	फ	रो	श
■	र	का	बी	■	क	■	■	या
आ	■	रा	ज	■	म	न	■	त्रा
ल	■	■	डा	■	य	म	ज	■
म	नो	मि	ल	न	■	न	ल	का
गी	■	■	ना	र	द	■	च	र
र	वा	ना	■	क	र	ता	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7819

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7818 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

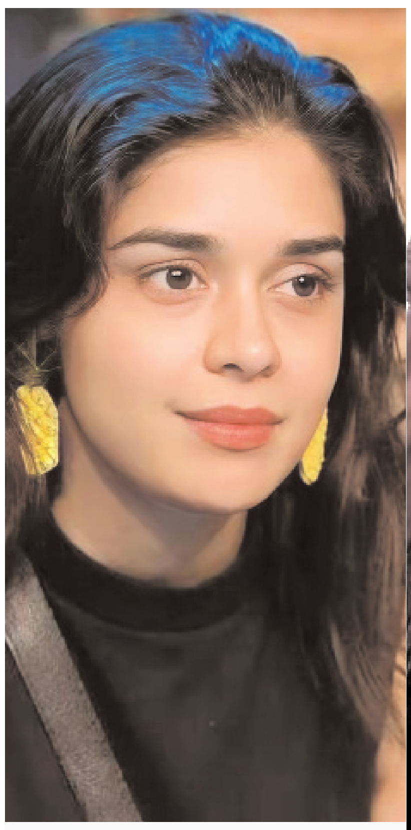

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।
बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइट और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाड़ू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।
12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

बेली ब्रिज पर वाहनों का परिचालन शुरू, पथ निर्माण मंत्री ने किया उद्घाटन

एजेंसी

भागलपुर। पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेन्द्र द्वारा रविवार को बेली ब्रिज का उद्घाटन किए जाने के साथ ही प्रशासनिक निगरानी में बेली ब्रिज पर वाहनों का परिचालन शुरू करा दिया गया। मंत्री ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बेली ब्रिज का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार समेत बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के अधिकारी, पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह से पहले पथ निर्माण मंत्री ने बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के

पदाधिकारियों और कर्मियों, पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा निर्माण कार्य में सहयोग करने वाले पुलिसकर्मियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने सभी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से कम समय में यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया जा सका है। मंत्री ने कहा कि मात्र 15 से 16 दिनों के भीतर बेली ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा कर इसे आम जनता को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि विक्रमशिला सेतु पर परिचालन प्रभावित होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए युद्धस्तर पर निर्माण कार्य कराया गया। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि बेली ब्रिज पर फिलहाल अस्थायी रूप से वाहनों का परिचालन शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा 30 नवंबर की समय-सीमा निर्धारित की गयी है और सरकार उसी लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हम निर्धारित समय पर विक्रमशिला सेतु का निर्माण कार्य पूरा कर 30 नवंबर तक इसे जनता को समर्पित करेंगे। मंत्री ने बेली ब्रिज निर्माण में योगदान देने वाली बीआरओ की टीम, जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग और पुलिस प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी विभागों के समन्वय और मेहनत से यह कार्य संभव हो पाया है। बेली ब्रिज शुरू होने से भागलपुर और नवगछिया के बीच आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जलस्त्रोत बचेगा, तो मानवता बचेगी

एजेंसी

मंझौल/बेगूसराय। नहर, नदी, जलस्त्रोत बचेगा तो मानवता बचेगी। जल का बहाव ही जीवन का बहाव है। जयमंगलागढ स्थित नहर घाट पर काबर नहर नवजीवन अभियान को लेकर एक बैठक प्रसिद्ध लेखक व काबर नेचर क्लब के कर्ता धर्ता महेश भारती की अध्यक्षता में हुई। मौके पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षक नितेश रंजन ने काबर-बगरस नहर की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी उड़ाही, दोनों किनारों पर बांध तथा उस पर पौधारोपण करने का सुझाव दिया। मौके पर काबर टाल किसान संघर्ष

मोर्चा के संयोजक वल्लभ बादशाह ने कहा कि काबर को टकराव के बजाय विकास की धारा की ओर ले जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन के दखल को जबरन हटाया नहीं जा सकता। किसानों, मछुआरों और मजदूरों के हित में काबर क्षेत्र के विकास की जरूरत है। उन्होंने काबर - बगरस नहर को पूर्णरूपेण अतिक्रमण हटाने, उसके गाद साफ करने और काबर से बगरस तक नहर क्षेत्र की सफाई पर जोर दिया। मौके पर अध्यक्षता करते हुए महेश भारती ने कहा कि काबर -बगरस नहर सन 1951 से 1956 के बीच लगभग 15 लाख रुपए खर्च करके बनाया गया था। लगभग साढ़े आठ किलोमीटर लंबी और 11 फीट गहरी यह नहर इलाके के लोगों के लिए जीवनदायिनी बन गयी। आज यह नहर उपेक्षित, अतिक्रमित और अनुपयोगी बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी जमीन के सदुपयोग को लेकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

भागलपुर। जिले के अकबरनगर थाना के समीप वर्षों से खाली पड़ी 3 एकड़ 60 डेसिमल सरकारी जमीन के जनहित में उपयोग किए जाने की बात जोर पकड़ने लगी है। भाजपा नेता सतीश कुमार उर्फ कन्हैया झा ने बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र से रविवार को मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उक्त भूमि पर थाना भवन, नगर पंचायत कार्यालय, सार्वजनिक पार्क तथा अन्य सरकारी योजनाओं का निर्माण करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग की या जमीन लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी है। जबकि अकबरनगर थाना करीब 30 वर्षों से किराए के भवन में संचालित हो रहा है। नगर पंचायत का दर्जा मिलने से 3 वर्ष बाद भी स्थायी कार्यालय भवन नहीं बन सका है और फिलहाल नगर पंचायत कार्यालय पुस्तकालय भवन में चल रहा है। सतीश कुमार उर्फ कन्हैया झा ने बताया कि इस मामले को पूर्व में बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया था।

युवक की संदिग्ध मौत से मचा बवाल परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुपौल। जिले के पिपरा थाना क्षेत्र स्थित तुलापट्टी पंचायत के लालपट्टी गांव में 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। मृतक के परिजनों ने स्थानीय पान दुकानदार और उसके सहयोगियों पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है,जबकि दूसरी ओर कुछ लोग युवक की मौत करंट लगने से होने की बात कह रहे हैं। घटना को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान लालपट्टी वार्ड संख्या-1 निवासी लालो पंडित के पुत्र सतीश पंडित के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक शनिवार की शाम लालपट्टी चौक पर किसी विवाद को लेकर सतीश की पान दुकानदार राजन कुमार और उसके साथ मौजूद कुछ लोगों ने कथित रूप से पिटाई कर दी।आरोप है कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे एक सिटी रिक्शा पर लिटाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों का कहना है कि सतीश पूरी तरह स्वस्थ था और उसके शरीर पर चोट के कई निशान मौजूद हैं।

तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

मुंगेर में संघ शिक्षा वर्ग के दौरान स्वयंसेवकों का करेंगे मार्गदर्शन

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत शनिवार को अपने तीन दिवसीय बिहार प्रवास पर पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत संघ और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। पटना पहुंचने के बाद भागवत मुंगेर के लिए रवाना हुए, जहां वे 7 से 9 जून तक आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उनके प्रवास का मुख्य कार्यक्रम मुंगेर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होना है। इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 700 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

संघ शिक्षा वर्ग को आरएसएस का महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम माना जाता है। इसमें स्वयंसेवकों को संगठन की

कार्यप्रणाली, अनुशासन, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दौरान मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे और उनका मार्गदर्शन भी करेंगे। अपने संबोधन में वे संघ की विचारधारा, संगठन के आगामी कार्यक्रमों तथा शताब्दी वर्ष के आयोजनों को लेकर स्वयंसेवकों से संवाद करेंगे। साथ ही राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने जैसे विषयों पर भी अपने विचार रखेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद मजबूत करने और सेवा गतिविधियों के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अपने प्रवास के दौरान सरसंघचालक संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक भी कर सकते हैं, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा होने की संभावना है। बिहार दौरे को संघ के शताब्दी वर्ष अभियान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया गया

बेगूसराय। जिला प्रशासन बेगूसराय एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति बेगुसराय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 7/6/26 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर गांधी स्टेडियम बेगुसराय से मुख्य बाजार होते हुए हर हर महादेव चौक से पुनः एनएच के रास्ते गांधी स्टेडियम तक लगभग 5 किलोमीटर संडे ऑफ साइकिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीकांत शास्त्री जिला पदाधिकारी बेगुसराय, आकाश चौधरी डीडीसी बेगुसराय, महेश्वर प्रसाद सिंह एडीएम बेगुसराय, अनिता राय उप मेयर, भूतपूर्व मेयर, निशांत वरीय उप समाहर्ता, मनोज कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी, बिट्टू कुमार सिंह जिला खेल पदाधिकारी, अविनाश कुमार, राजीव रंजन सिटी मैनेजर, एवं डीआरडीए एवं जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी, कर्मी, +2 विद्यालय के बच्चे, कॉलेज के विद्यार्थी, स्थानीय खिलाड़ी, मीडिया तथा आम नागरिकों ने भाग लिया।

दिव्यांग के बीच बैटरी साइकिल, चश्मा वितरण

बेगुसराय। गांधी स्टेडियम बेगूसराय में समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच माननीय मंत्री वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार सह बेगूसराय सांसद गिरीराज सिंह द्वारा अनुदान, चश्मा एवं बैटरी चालित ट्राइसाइकिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्रीकांत शास्त्री, माननीय विधान पार्षद सर्वेश कुमार, उप महापौर अनिता राय, उप विकास आयुक्त बेगूसराय आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता बेगूसराय बृजकिशोर चौधरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी , रंजीत कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नेहा कुमारी सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण अभिजीत सोनल , वरीय उप समाहर्ता सुश्री पूजा कुमारी, जिला प्रबंधक बुनियाद केंद्र विजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के सामाजिक सुरक्षा कोषांग के माध्यम से संचालित अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना तथा मुख्यमंत्री दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के लाभुकों के बीच सावधि जमा (एफडी) प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के अंतर्गत कुल तीन लाभुकों को लाभान्वित किया गया। इनमें दो दंपति शामिल थे। एक दंपति में पति या पत्नी में से एक दिव्यांग होने के कारण उन्हें योजना के प्रावधानों के अनुरूप एक लाख रुपये की सावधि जमा उपलब्ध कराई गई। वहीं दूसरे दंपति में पति एवं पत्नी दोनों दिव्यांग थे, जिसके आलोक में दोनों को एक-एक लाख रुपये की दर से कुल दो लाख रुपये की सावधि जमा प्रदान की गई।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर सेवा विभाग ने लगाया रक्तदान शिविर

सारण। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सेवा विभाग के तत्वावधान में आज छपरा सदर अस्पताल के ब्लड बैंक परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। आयोजन को लेकर संघ के स्वयंसेवकों में सुबह से ही उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। इस शिविर की मुख्य विशेषता महिलाओं की बढ़-चढ़कर रही भागीदारी रही, जिन्होंने रक्तदान कर समाज के सामने एक अनूठा उदाहरण पेश किया। प्रमुख रक्तदाताओं में राहुल मेहता, धनंजय उदय, अखिलेश सिंह, राजनंदिनी और रंजनी शांडिल्य ने अत्यंत उत्साह के साथ रक्तदान कर दूसरों को प्रेरित किया। शिविर का आयोजन सेवा विभाग के प्रमुख अवध किशोर मिश्रा, सदर अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मियों की देखरेख में हुआ, जहां स्वयंसेवकों ने सेवा भावना से कुल 50 यूनिट रक्त दान किया। इस मानवीय प्रयास की सराहना करने नगर के महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता भी पहुंचे और उन्होंने खुद भी रक्तदान किया। अस्पताल प्रबंधन और ब्लड बैंक कर्मियों ने इस सराहनीय पहल के लिए आरएसएस और सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम

एजेंसी

भागलपुर। जिले के बिहपुर राजग कार्यालय में रविवार को नवगछिया पुलिस जिलास्तरीय केंद्र की मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विस विधायक इं.शैलेंद्र ने कहा कि 26 मई को केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे हुए हैं। यह अभी और आगे सालों साल जन आशीर्वाद से जारी रहेगा। पूरे देश में पांच से 21 जून तक विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष थीम पर कार्यक्रम हो रहा है। सभी मंडलों में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्थानीय योग अभ्यास समूहों के सहयोग से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 12 से 20 जून तक जन कल्याण शिविर, जिसमें पंजीकरण का विशेष ध्यान आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी और वीबी-जी-राम जी योजनाओं पर रहेगा।

बरौनी नगर परिषद क्षेत्र से ड्राइवर की लाश पेड़ से लटकती मिली

एजेंसी

बरौनी/बेगूसराय। बरौनी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक फुलवरिया तीन निवासी राम सकल महतो का 24 वर्षीय युवा पुत्र छोटू कुमार की लाश गले में गमछा बंधा हुआ एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। बताया जाता है कि बीते शाम घर में खाना खाकर गमछा पहनकर तहलने के लिए निकला जो फिर घर वापस नहीं आया। सुबह में उसका स शव फांसी लगा हुआ एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। बताया जाता है कि जिसकी सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम

मच गया, सूचना मिलते ही फुलवरिया थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार 24 वर्षीय छोटू कुमार को किसी ने गले में फांसी लगाकर हत्या कर पेर से लटका दिया। सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर के सघन जांच में जुट गई है। जबकि एक युवा ड्राइवर की मौत की खबर सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूखा नशा के खिलाफ ग्रामीणों की बैठक, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

एजेंसी

सुपौल। जिले के सिमराही नगर पंचायत के दिनादास टोला में रविवार को बढ़ते सूखा नशा के प्रचलन के खिलाफ ग्रामीणों ने एकजुट होकर आवाज बुलंद की। बजरंगबली मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और अभिभावक शामिल हुए। सभी ने क्षेत्र में फैल रहे नशीले पदार्थों के कारोबार पर चिंता जताते हुए इसे युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ समय से इलाके में सूखा नशा का प्रचलन तेजी से

बढ़ा है। इसका सबसे अधिक असर किशोरों और युवाओं पर पड़ रहा है। नशे की लत के कारण कई युवा पढ़ाई और रोजगार से दूर होते जा रहे हैं, जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने आशंका जताई कि नशे के बढ़ते कारोबार से क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हो सकती है। उनका कहना था कि नशे की वजह से कई परिवार सामाजिक, आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। बैठक में मौजूद अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं पर पड़ रहे इसके दुष्प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की। बैठक में सर्वसम्मति से प्रशासन से मांग की गई कि क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे नशे के कारोबार की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की भी मांग उठाई गई।ग्रामीणों ने यह भी निर्णय लिया कि समाज को जागरूक बनाने के लिए गांव-गांव और टोला-टोला में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

10 जून से बिहार में अंतर्राज्यीय लघु खनिज परिवहन के लिए ई-ट्रांजिट पास अनिवार्य

एजेंसी

किशनगंज। बिहार में अवैध खनन एवं खनिज परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने तथा परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से खान एवं भूतत्व विभाग ने नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। विभाग के निर्देशानुसार 10 जून से अन्य राज्यों से बिहार में प्रवेश करने वाले लघु खनिज परिवहन वाहनों के लिए इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) अनिवार्य कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, नेपाल सीमा क्षेत्र सहित अन्य राज्यों से बालू, गिट्टी, पत्थर, मोरंग एवं अन्य लघु खनिज लेकर बिहार आने वाले सभी वाहनों का आईएसटीपी पोर्टल पर

पंजीकरण कराना होगा। विभाग ने इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है और वाहन मालिकों तथा ट्रांसपोर्टरों से समय रहते रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है। जानकारी के अनुसार, पंजीकरण के बाद वाहन मालिक या ट्रांसपोर्टर को मोबाइल नंबर पर लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा। इसके माध्यम से पोर्टल पर लॉगिन कर ट्रांजिट पास के लिए आवेदन किया जा सकेगा। खनिज के स्त्रोत स्थल से परिवहन चालान जारी होने के छह घंटे के भीतर ट्रांजिट पास प्राप्त करना अनिवार्य होगा। विभाग ने ट्रांजिट पास शुल्क भी निर्धारित कर दिया है। यदि परिवहन चालान में खनिज की मात्रा वजन के आधार पर अंकित होगी तो 60 रुपये प्रति टन तथा आयतन के आधार पर अंकित होने पर 85 रुपये प्रति घनमीटर की दर से शुल्क लिया जाएगा। शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। ट्रांजिट पास की वैधता संबंधित खनिज परिवहन चालान की वैधता के अनुरूप होगी। परिवहन के दौरान वाहन चालक के पास आईएसटीपी के साथ-साथ संबंधित राज्य से जारी वैध खनिज परिवहन चालान रखना अनिवार्य होगा। जांच के दौरान इनमें से कोई भी दस्तावेज नहीं मिलने पर बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली, 2019 एवं संशोधित नियमावली 2026 के तहत जुर्माना सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साइबर फ्रॉड के चार अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी

बेगूसराय। साइबर थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के बाद यूपीआई के माध्यम से 53 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी हुआ मोबाइल भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 5 जून 2026 को एक व्यक्ति ने साइबर थाना में आवेदन देकर बताया कि उसका मोबाइल फोन बेंगलुरु में चोरी हो गया था। इसके बाद उसके मोबाइल में

मौजूद यूपीआई सुविधा का दुरुपयोग कर विभिन्न खातों में कुल 53 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर थाना पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान चोरी हुआ मोबाइल बरामद कर लिया गया। साथ ही प्राप्त डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर साइबर थाना कांड संख्या-38/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं एवं आईटी एक्ट की धाराओं के तहत अनुसंधान प्रारंभ किया गया। जांच के क्रम में पुलिस ने घटना में संलिप्त चार युवकों को बेगूसराय जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अंकित कुमार (18), पिता-संजय महतो, मनीष कुमार (19), पिता-नेपू महतो, आयुष राज (21), पिता-विमल पासवान तथा नीरज कुमार (19), पिता-अशोक महतो शामिल हैं।

संक्षिप्त

सिंगापुर का बड़ा फैसला : भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यतः एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह वाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एआई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

मनोज झा का बीजेपी पर तीखा वार, बोले- सुरक्षा पर नहीं होनी चाहिए राजनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव की सुरक्षा कम किए जाने के बाद राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। आरजेडी कार्यकर्ताओं ने इस फैसले के विरोध में राबड़ी देवी के आवास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं, इस पूरे मामले पर राजनीतिक बयानबाज़ी भी तेज हो गई है। आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं की सुरक्षा को लेकर इस तरह का फैसला लिया गया है।

आम आदमी की जिंदगी हो रही है प्रभावित : उनके अनुसार सुरक्षा को किसी भी हालत में राजनीतिक बदले या दबाव का उपकरण नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सुरक्षा व्यवस्था को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा तो इसका लोकतंत्र पर गलत असर पड़ेगा। मनोज झा ने कहा कि आज मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लोग महंगाई और आर्थिक दबाव से परेशान हैं। रोजमर्रा की जरूरतों की चीजें महंगी हो रही हैं और कई परिवारों के बजट पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि थाली से कई जरूरी चीजें गायब होती जा रही हैं, जो इस बात का संकेत है कि आम आदमी की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

आंकड़ों के बजाय जमीनी हकीकत पर ध्यान : उन्होंने यह कहा कि बिहार में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें सुरक्षा की वास्तविक जरूरत भी नहीं है, फिर भी उनके आसपास भारी सुरक्षा व्यवस्था लगी रहती है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि कुछ लोग सत्ता के आनंद में लगे रहते हैं, लेकिन जनता अब अपने स्तर पर सुरक्षा करेगी, इसलिए नेताओं ने अपनी सरकारी सुरक्षा वापस कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक परिस्थितियों, जैसे पश्चिम एशिया और ईरान के हालात, आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर और असर डाल सकते हैं। उनके अनुसार इन सभी कारणों का असर आम जनता पर पड़ रहा है और सरकार को केवल आंकड़ों के बजाय जमीनी हकीकत पर ध्यान देना चाहिए।

मानसून सत्र से पहले मोदी कौबिनेट में होगा फेरबदल! कई मंत्रियों की छुट्टी तय, राघव चड्ढा बन सकते हैं मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल में जीत के बाद बीजेपी ने अब पंजाब पर फोकस बढ़ा दिया है। मानसून सत्र से पहले संभावित केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में पंजाब से मंत्रियों की संख्या बढ़ सकती है। चर्चा है कि राज्यसभा के लिए नामित किए गए तरुण चुग को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। अगर चुग मंत्री बनते हैं तो पार्टी को पंजाब विधानसभा चुनावों में इसका सीधा लाभ मिल सकता है। चुग पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी नेतृत्व के भरोसेमंद नेता के रूप में उभरे हैं। संभावना यह भी जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर बीजेपी में आए राघव चड्ढा भी मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में पंजाब को विधानसभा चुनावों से पहले दो नए मंत्री मिल सकते हैं।

राघव चड्ढा भी बन सकते हैं मंत्री : आप के सात राज्यसभा (छह पंजाब के) सदस्य राघव चड्ढा के नेतृत्व में ही बीजेपी में शामिल हुए हैं।

बीजेपी ने रवनीत सिंह बिट्टू को दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया है। ऐसे में पंजाब से नए चेहरों के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ गई है।

खबरों के अनुसार रवनीत सिंह बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार पंजाब के हालात का आकलन करने के लिए फीडबैक ले रहे हैं, ताकि बीजेपी मजबूत रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतर सके। अमित शाह से कुछ दिन पहले हरभजन सिंह और उसके बाद विक्रमजीत सिंह साहनी मुलाकात करने पहुंचे थे।

मानसून सत्र से पहले फेरबदल संभव : राज्यसभा चुनावों के बाद और मानसून सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाएं तेज हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फिलहाल पंजाब से सिर्फ रवनीत सिंह बिट्टू शामिल हैं। वह राज्य मंत्री (रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग) के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार 9 जून को शपथ ली थी। ऐसे में उनके तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष 9 जून को पूरे होंगे।

संसद के मानसून सत्र 2026 की संभावित तारीख 21 जुलाई से 12 अगस्त 2026 के बीच रहने की उम्मीद है, हालांकि संसदीय कार्य मंत्रालय ने अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अमृतसर के रहने वाले हैं तरुण चुग : बीजेपी ने तरुण चुग को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। वे पार्टी के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं और संगठनात्मक कामकाज संभालते हैं। पहले वह जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और तेलंगाना जैसे राज्यों में बीजेपी के प्रभारी और सह-प्रभारी रह चुके हैं। वह पंजाब के अमृतसर के निवासी हैं। वर्तमान में वह बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। तरुण चुग की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। वह 9 वर्ष की आयु में आरएसएस से जुड़ गए थे। इसके बाद वह एबीवीपी और फिर भाजयुमो में सक्रिय रहे। ऐसे में उन्हें संगठन का व्यापक अनुभव हासिल है। तरुण चुग ने एमबीए की डिग्री प्राप्त की है।

पश्चिम एशिया तनावः अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गईं डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछिलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़फड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके

पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला डाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 वाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी वाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

गुरुग्राम में अब प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही देना होगा सफाई शुल्क, स्ष्टत के फैसले से लोगों में नाराजगी

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के निवासियों को अब अपने संपत्ति कर के साथ ही कूड़ा शुल्क भी देना होगा। संपत्ति कर के साथ अब नगर निगम ने कूड़ा शुल्क भी वसूलना शुरू कर दिया है। हालांकि बीते दो साल से कूड़ा शुल्क निगम की तरफ से वसूल नहीं किया जा रहा था, लेकिन अब निगम ने इसे वसूलना शुरू कर दिया है। निगम के इस कूड़ा शुल्क का लोगों ने विरोध भी जताया है। शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) विभाग ने नए वित्त वर्ष से गुरुग्राम में भी इस शुल्क की वसूली को अनिवार्य कर दिया है। सरकार की इस नई व्यवस्था के तहत अब संपत्ति कर के बिलों में ही घरों से कूड़ा उठाने के साथ-साथ सड़कों की सफाई का शुल्क भी शामिल किया गया है। हालांकि, शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की कोई स्थायी और पुख्ता व्यवस्था न होने के बावजूद टैक्स बिलों में इस नए चार्ज को जोड़ने पर शहरवासियों ने रोष व्यक्त किया है। हालांकि निगम अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति कर के साथ मुख्यालय की तरफ से कूड़ा शुल्क लगाकर भेजा गया है। यह कूड़ा संग्रहण शुल्क अकेला नहीं है, इसमें सड़कों की सफाई, गलियों में जो झाड़ू लगती है, इसमें उसका शुल्क भी शामिल है।

सौ फीसदी कूड़ा नहीं उठ रहा : जमीनी हकीकत यह है कि नगर निगम गुरुग्राम के पास वर्तमान में घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने, उसे अलग करने और उसके वैज्ञानिक निस्तारण की कोई स्थायी या सुचारू व्यवस्था नहीं है। नगर निकाय फिलहाल विभिन्न छोटे ठेकेदारों के माध्यम से अस्थायी उपायों के भरोसे ही पूरे शहर की

सफाई व्यवस्था को खींच रहा है। इस लचर व्यवस्था के कारण शहर की दर्जनों सोसाइटियों और रिहायशी सेक्टरों में लोग निजी स्तर पर कचरा प्रबंधन करने को मजबूर हैं, जहां निजी कचरा उठाने वाले कर्मचारी प्रति घर 50 रुपये से लेकर 150 रुपये तक मासिक शुल्क अलग से वसूलते हैं। ऐसे में लोगों का आरोप है कि उन्हें एक ही काम के लिए दोहरा भुगतान करना पड़ रहा है।

बिना सर्विस दिए शुल्क वसूलने पर उठे गंभीर सवाल : शहर की विभिन्न आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों ने निगम और सरकार के इस फैसले को पूरी तरह से जनविरोधी बताया है। नागरिकों का कहना है कि जब नगर निगम के वाहन उनके घरों तक कूड़ा लेने आते ही नहीं हैं और वे निजी रेहड़ी-पटरी वालों को अलग से भुगतान कर रहे हैं, तो निगम किस बात का टैक्स वसूल रहा है। निगम केवल अस्थाई एजेंसियों के सहारे काम चला रहा है। शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की कोई स्थायी और पुख्ता व्यवस्था न होने के बावजूद टैक्स बिलों में इस नए चार्ज को जोड़ने पर शहरवासियों ने रोष व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि यह हमारे साथ अन्याय है।

सैकड़ों रुपये जुड़कर आने से बिगड़ा बजट : शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा बिलों में शुल्क जोड़ने के मामले सामने आए हैं। सेक्टर-21 स्थित सूर्य विहार निवासियों के अनुसार उनके इस महीने के संपत्ति कर बिलों में सीधे 540 रुपये का कचरा संग्रहण शुल्क शामिल कर दिया गया है। इसी तरह, गोल्फ कोर्स रोड के पास स्थित पॉश सनसिटी टाउनशिप में भी घरों और कमर्शियल संपत्तियों के आकार के हिसाब से यह शुल्क 216 से 432 रुपये तक जोड़कर भेजा गया है। अचानक टैक्स के रूप में मोटी रकम जुड़कर आने से लोगों का बजट बिगड़ गया है।

2018 का नियम अब गुरुग्राम में लागू हुआ : विभागीय सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने संपत्ति कर के साथ कचरा संग्रहण शुल्क वसूलने का यह नियम साल 2018 में ही अधिसूचित कर दिया था। प्रदेश के कई अन्य शहरों में इसे आंशिक रूप से लागू भी किया गया था, लेकिन गुरुग्राम में टाल दिया गया था। बीते दो साल से गुरुग्राम में घर-घर से शत-प्रतिशत कूड़ा उठाने का काम पूरी तरह से ठप पड़ा है और निगम केवल अस्थाई एजेंसियों के सहारे काम चला रहा है। इसके बावजूद नए वित्त वर्ष से बिना किसी पूर्व सूचना के लोगों की जेब पर यह अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। सेक्टर-56 वरिष्ठ नागरिक डीडी शर्मा ने कहा कि कूड़े की समस्या को हल करने में फेल हो चुकी सरकार कूड़ा टैक्स लगा कर जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। जगह जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। लोगों के घरों से कूड़ा नहीं उठ रहा है तो टैक्स का क्या मतलब है। वहीं, प्रधान,आरडी सिटी आरडब्ल्यूए के प्रधान प्रवीण यादव का कहना है कि निगम द्वारा संपत्तिकर के साथ कूड़ा शुल्क वसूलना तो शुरू कर दिया है।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा।

रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

वहीं रोहित ने कप्तानी से हटाये गये सूर्यकुमार यादव के कार्यकाल की भी जमकर तारीफ की, जिनके नेतृत्व में राष्ट्रीय टीम ने इसी साल की शुरूआत में अपना तीसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था। रोहित ने सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका रवैया कभी न हार मानने का रहा है। उन्होंने काफी संघर्ष कर 30 साल की उम्र में टीम में जगह बनायी था। इस अर्थ है कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वह हमेशा मुकाबले में बने रहना चाहते थे और जब भी उन्हें अवसर मिला उन्होंने उसका लाभ उठाया।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

बीसीसीआई चाहता है कि अभी वनडे विश्वकप पर ही ध्यान दें

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है। चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूनार्मेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है।

भारतीय महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत की महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा।

रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

भारत ने छठी बार जीता खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोरना चकमा ने दागा।

पहले हाफ में बराबरी पर पहुंचा बांग्लादेश

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। कई मौकों के बाद 42वें मिनट में प्यारी ज़ाक्सा ने शानदार गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बांग्लादेश की रितु पोरना चकमा ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह पूरे टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ हुआ पहला गोल था।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 46वें मिनट में प्यारी जाक्सा के शानदार क्रॉस पर सैनफिदा नोंगरुम ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में बांग्लादेश की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए स्थानापन्न खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने तीसरा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

पूरे टूर्नामेंट में रहा भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मालदीव पर 11-0 की बड़ी जीत से की थी, जबकि ग्रुप चरण में बांग्लादेश को भी 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया, जो उसके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप का पिछला खिताब 2019 में जीता था। इसके बाद 2022 और 2024 में बांग्लादेश ने ट्रॉफी अपने नाम की थी।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त

564 रन बनाकर भारत ने पारी घोषित की, अफगानिस्तान लड़खड़ाया

पहली पारी में अफगानिस्तान ने 113 रन पर खोए 5 विकेट

भारत का विराट स्कोर, अफगानिस्तान पर 451 रन की बढ़त

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह 81 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर अफगानिस्तान टीम अभी भी 451 रन पीछे है। भारतीय टीम के लिए स्पिनर मानव सुथार ने पदार्पण मुकाबले में तीन विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दो सफलता मिली।

अफगानिस्तान की पहली पारी में शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सेदिकुल्लाह अटल 17 रन और रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनकर पवेलियन लौटे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कुछ देर मैदान पर टिककर समय बिताया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 48 गेंदों में 20 रन की पारी खेलकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले अफगानिस्तान को पांचवां झटका लगा। अफसर जजई 3 रन बनाकर आउट हुए।

इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित कर दी। पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (126) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने शानदार शतक जड़े। साई सुदर्शन (81), ऋषभ पंत (81) और वाशिंगटन सुंदर (52) ने अर्धशतकीय पारियां खेली। भारतीय टीम ने दूसरे दिन पहली पारी में तीन विकेट पर 368 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने पारी को आगे बढ़ाया और पहली पारी में टीम के स्कोर को 400 रन के पार ले गए। हालांकि कुछ देर बाद कप्तान गिल 177 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 126 रन बनाकर आउट हो गए।

भारतीय टीम का ध्रुव जुरेल के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जुरेल 20 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए। सुबह के सत्र में भारतीय टीम को ऋषभ पंत के रूप में एक और झटका लगा। पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और शतक के करीब थे, लेकिन बड़ा शॉट मारने के दौरान कैच आउट हो गए।

पंत ने 121 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। दूसरे दिन लंच ब्रेक तक भारतीय टीम पहली पारी में छह विकेट खोकर 475 रन बनाए। इसके बाद दूसरे सत्र में टीम ने 500 रनों का आंकड़ा भी पार कर लिया। भारत का सातवां विकेट 510 के कुल स्कोर पर गिरा। मानव सुथार अपने पदार्पण मैच की पहली पारी में 41 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद सिराज 12 गेंदों पर 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद भारतीय टीम ने 564 रन पर पारी घोषित कर दी। वाशिंगटन सुंदर 68 गेंदों पर 52 रन और कुलदीप यादव 26 गेंदों पर 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 165 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 100 रन, साई सुदर्शन 104 गेंदों पर 81 रन और यशस्वी जायसवाल ने 32 गेंदों में 24 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के लिए तेज गेंदबाद मोहम्मद सलीम सैफी सबसे सफल रहे और छह विकेट अपने नाम किए, जबकि जियाउर रहमान शरीफी और हशमातुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी, मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे।

भविष्य के प्लान पर भी रखी राय

10-20 वर्षो तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 वर्ष तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

चयनकर्ताओं को किया प्रभावित

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए।

रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग-11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। वैभव ने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था और वह इस सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार बनी है चैम्पियन

महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था। साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम नौ विकेट खोकर 126 रन ही बना सकी थी। अमेलिया केर की कप्तानी में न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

भारत, चीन और अमेरिका ने टाला तेल का महातूफान, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दशकों से तेल बाजार के विशेषज्ञ और विश्लेषक चेतावनी दे रहे थे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी आर्थिक तबाही साबित होगा। अब इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को ब्लॉक हुए तीन महीने से अधिक का समय हो चुका है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमतें उस स्तर तक नहीं बढ़ी हैं, जैसा अनुमान लगाया गया था। होर्मुज बंद होने से आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक (आपूर्ति का संकट) माना जा रहा है। इसके बावजूद कुछ समय को छोड़कर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी हुई हैं। कुछ जानकारों ने अनुमान जताया था कि कच्चा तेल 200 या 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका का रिकॉर्ड निर्यात फरवरी के अंत में ईरान पर हमले के बाद से अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा 'स्विंग सप्लायर' बनकर उभरा है।

मई में अमेरिकी कच्चे तेल और ईंधन का निर्यात पिछले साल के औसत से 20 लाख बैरल प्रति दिन अधिक रहा। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रणनीतिक तेल भंडार से रोजाना 14 लाख बैरल की दर से रिकॉर्ड तेल जारी किया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश चीन ने मई में तेल के आयात में पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत की भारी कटौती की है। चीन अब तेल के बजाय कोयले से केमिकल बनाने और देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की भारी बिक्री के कारण पेट्रोल-डीजल की कम खपत कर रहा है।

अमेरिकी प्रशासन ने कुछ प्रतिबंधित रूसी तेल पर छूट दी है, जिससे विशेष रूप से भारतीय रिफाइनरियों को बड़ा फायदा मिला है। भारत ने मई में रूस से 17.6 लाख बैरल प्रति दिन तेल खरीदा, जो फरवरी की तुलना में 63 प्रतिशत अधिक है। पैसिफिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी के ग्रेग शेयरनो के मुताबिक, वैश्विक तेल का भंडार हर हफ्ते 7 से 8 करोड़ बैरल की दर से कम हो रहा है। अमेरिका का कुल तेल भंडार पिछले दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही चीन दोबारा अपनी सामान्य रफ्तार से तेल खरीदना शुरू करेगा, बाजार में हाहाकार मच सकता है।

वैकल्पिक रास्ते और गुप्त शिपिंग

सऊदी अरब अपनी 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन' के जरिए लाल सागर तक तेल भेज रहा है, और यूएई 'फुजैराह पोर्ट' के जरिए खाड़ी के बाहर तेल पहुंचा रहा है। जीपीएस जैमिंग और गुप्त तरीकों का इस्तेमाल करके रोजाना 2 से 3 टैंकर अभी भी इस खतरनाक रास्ते (होर्मुज) से गुजर रहे हैं। लोग सोच रहे थे कि स्थिति बहुत खराब होगी। आज कच्चे तेल की कीमत 96 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि लोग इसके 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जता रहे थे। भले ही दुनिया ने इस संकट का बहादुरी से सामना किया है, लेकिन कमोडिटी दिग्गजों का मानना है कि यह राहत लंबे समय तक नहीं टिकने वाली।

बड़े-बड़े अर्थशास्त्री और आलोचक रह गए दंग, भारत ने दुनिया को फिर चौंका दिया

नई दिल्ल, एजेंसी। भारत ने उम्मीद से बेहतर आर्थिक विकास दर से एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। ग्लोबल अनिश्चितता, तेल की ऊंची कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चिंताओं के बावजूद उसने जबरदस्त ग्रोथ दर्ज की है। शुक्रवार को ये दमदार आंकड़े जारी होते ही दोबारा भारत की चर्चा दुनिया में होने लगी। इस तेज आर्थिक रफ्तार उन आलोचकों और अर्थशास्त्रियों के लिए जवाब है जो लगातार सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। मजबूत निवेश, जोरदार कंस्ट्रक्शन और बैंकिंग गतिविधियां, घरेलू मांग में मजबूती, सर्विस सेक्टर में अच्छी ग्रोथ और बेहतर कृषि प्रदर्शन ने

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि की तारीफ करते हुए इसे सुधारों और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत का नतीजा बताया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर जोर दिया। हालांकि, अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि सब्सिडी की बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक जारी रहने वाली रुकावटें आने वाले महीनों में ग्रोथ के लिए चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। बीते रोज ये आंकड़े उसके कुछ घंटे बाद आए जब सरकार ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई उपाय घोषित किए। इनमें विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर टैक्स से छूट देने वाला एक अध्यादेश भी शामिल है। विदेशी संस्थागत निवेशकों को 12 महीने से अधिक समय तक रखे गए सरकारी बॉन्ड पर 12.5 फीसदी का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता था। अगर बॉन्ड 12 महीने से कम समय के लिए रखा जाता था तो शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की दर 20 फीसदी थी। इन दोनों टैक्स को खत्म कर दिया गया है। सरकारी प्रतिभूतियों पर विदेशी निवेशकों की ओर से अर्जित ब्याज आय पर लगने वाले विदहोल्डिंग टैक्स को भी हटा दिया गया है। ये कदम विदेशी पूंजी के प्रवाह को बढ़ाने और उसके आउटफ्लो को रोकने के लिए उठाए गए हैं ताकि रुपये को सहारा मिल सके। साथ ही बढ़ते चालू खाता घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिले। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 फीसदी की गिरावट आई है।

घरेलू खर्च बना हुआ है मजबूत पिलर

घरेलू खर्च भारत की ग्रोथ स्टोरी के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। कंज्यूमर गुड्स (उपभोक्ता वस्तुओं) पर ज्यादा खर्च परिवारों के बीच उनकी आय के स्तर और खर्च करने की क्षमता को लेकर मजबूत भरोसे का भी संकेत है। आंकड़े बताते हैं कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और उसके आर्थिक नतीजों के बावजूद यह भरोसा कम से कम इस साल मार्च तक बना हुआ है।

मौसम की मार... वियतनाम में चावल के दाम बढ़े

बांग्लादेश में फसल को भारी नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया में संभावित अल नीनो के असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच वियतनाम में चावल की निर्यात कीमतों में इस सप्ताह तेजी दर्ज की गई है। वहीं, बांग्लादेश में भीषण गर्मी और फसल को हुए नुकसान के कारण कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। इसके विपरीत पर्याप्त स्टॉक और अच्छी आपूर्ति की वजह से भारत में चावल के दाम फिलहाल स्थिर हैं। रॉयटर्स के अनुसार वियतनाम के 5 प्रतिशत ब्रोकन (टूटे हुए) चावल की निर्यात कीमत इस सप्ताह बढ़कर 415-420 डॉलर प्रति टन हो गई, जबकि पिछले सप्ताह यह 405-410 डॉलर प्रति टन थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वियतनाम ने मई में लगभग 9.25 लाख टन चावल का निर्यात किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 19 प्रतिशत अधिक है। वहीं, इस साल के पहले पांच महीनों में कुल निर्यात बढ़कर 43 लाख टन पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अल नीनो को लेकर बढ़ी आशंका

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, जून से अगस्त के बीच अल नीनो विकसित होने की संभावना 80 प्रतिशत है, जबकि इसके नवंबर तक बने रहने की संभावना 90 प्रतिशत आंकी गई है। वियतनाम के एक ट्रेडर ने बताया कि एशिया में अल नीनो के कारण उत्पादन प्रभावित होने की आशंका से बाजार में तेजी का माहौल है। वियतनाम पहले भी खराब मौसम की मार झेलता रहा है, इसलिए व्यापारी संभावित सप्लाई संकट को लेकर सतर्क हैं। बांग्लादेश में हल्की से मध्यम स्तर की हीटवेव के कारण चल रही धान कटाई प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि बढ़ते तापमान से फसल की पैदावार घट रही है और पौधों में तेजी से नमी की कमी हो रही है। इसके अलावा, प्री-मानसून की भारी बारिश से 2 लाख टन से अधिक चावल की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिससे आपूर्ति पर अतिरिक्त दबाव बन गया है। जिससे चावल के दाम भी मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, बाजार की नजर अब अगले लगभग तीन महीनों में आने वाली नई फसल पर है, जिससे अल नीनो के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन हो सकेगा।

भारत में कीमतें स्थिर

भारत के 5 प्रतिशत ब्रोकन परबॉयल्ड चावल की कीमत बीते सप्ताह 337-345 डॉलर प्रति टन पर स्थिर रही। वहीं, 5 प्रतिशत ब्रोकन व्हाइट राइस का भाव 338-344 डॉलर प्रति टन रहा। नई दिल्ली के एक निर्यातक के मुताबिक, अन्य प्रमुख निर्यातक देशों के पास सीमित अतिरिक्त स्टॉक है और वे अगले सीजन में अल नीनो के कारण उत्पादन घटने की आशंका में कीमतें बढ़ा रहे हैं। दूसरी ओर भारत में पर्याप्त उपलब्धता के कारण कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। लगभग 450 डॉलर प्रति टन रही। बैंकॉक के व्यापारियों के अनुसार, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले टूटे चावल की कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ी है।

रुपये के 100 तक टूटने का डर खत्म, आरबीआई के बड़े फैसलों से आ सकता है 75 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया पिछले काफी समय से गिर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक इसकी गिरावट रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। केंद्रीय बैंक की ओर से उठाए गए नीतिगत कदमों को रुपये के प्रति बाजार के नजरिए को बदलने के एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इसका मकसद रुपये की गिरावट की चिंताओं को दूर कर देश में विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाना है।

शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था। हाल में यह 97 के करीब पहुंच गया था। साल 2026 में अब तक डॉलर 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। कई दिग्गज फर्मों को उम्मीद है कि सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों के कारण देश में 75 अरब डॉलर तक का निवेश आ सकता है। यह भी रुपये की गिरावट को रोकने में कारगर होगा। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि कम से कम 40 अरब डॉलर का निवेश भारत आ सकता है। इससे रुपया मजबूत होकर 92-93 के स्तर पर पहुंच सकता है। कोटक सिक्योरिटीज का मानना है कि यह निवेश और भी अधिक यानी करीब 50 से 75 अरब डॉलर तक हो सकता है।

निवेश बढ़ाने के लिए उठाए गए 4 कदम

रुपये को मजबूती देने और विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए केंद्रीय बैंक आरबीआई ने ये प्रमुख 4 कदम उठाए हैं: फुली एक्सेसिबल रूट का दायरा बढ़ाकर इसमें 15, 30 और 40 साल के सरकारी बॉन्ड शामिल किए गए हैं। साथ ही इसमें शॉर्ट-मैच्योरिटी कैप को हटा दिया गया है। इससे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार एनआरआई और ओसीआई के लिए इक्विटी निवेश के नियमों को आसान बनाया गया है। विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा पर 3 से 5 साल के लिए हेजिंग लागत का पूरा खर्च (2.5 प्रतिशत सालाना) 30 सितंबर 2026 तक खुद उठाएगा। इससे बैंक ग्राहकों को 5.5 प्रतिशत से अधिक ब्याज दे पाएंगे, जिससे भारी मात्रा में डॉलर देश में आने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा देश में जल्दी लाने के लिए निर्यात से होने वाली कमाई को वापस भारत लाने की समयसीमा को 15 महीने से घटाकर 9 महीने कर दिया है।

क्या 100 तक पहुंचेगा रुपया: केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि रुपये की चाल मौजूदा बुनियादी आर्थिक स्थितियों से अलग हो सकती है। इसलिए रुपये के टूटकर 100 के स्तर पर जाने की आशंकाएं पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

क्रूड के दाम में सुस्ती, चेन्नई में पेट्रोल 107 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस के दौरान लगातार दो दिनों तक कच्चा तेल सस्ता ही हुआ है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम 93 डॉलर प्रति बैरल तक गिरे गए है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी रविवार, 7 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। 4

महानगरों में पेट्रोल का दाम तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। इस सप्ताह कच्चे तेल के बाजार में नरमी का रूख रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्ताह के अंतिम दो दिनों के दौरान मानक ब्रेंट क्रूड के दाम घटे हैं। अंतिम कारोबारी दिवस पर तो इसके दाम में 2.04 फीसदी या 1.94 डॉलर की कमी दिखी।

होर्मुज बंद होने से अमेरिका को सबसे ज्यादा फायदा, दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, बड़ी चेतावनी दे दी

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से अमेरिकी एनर्जी कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। रोसनेफ्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव इगोर सेचिन ने शनिवार को यह दावा किया। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि इस अहम शिपिंग रूट में लंबे समय तक रुकावट से ग्लोबल ऑयल की मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी सोर्स में दिलचस्पी बढ़ने के आसार हैं। रॉयटर्स के अनुसार, सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में सेचिन ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते के बंद होने से एनर्जी मार्केट में ऐसे बदलाव आए हैं जिनसे अमेरिका को फायदा हुआ है। होर्मुज के रास्ते बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की सप्लाई होती है। सेचिन ने कहा, 'जाहिर है, इसका सबसे ज्यादा फायदा अमेरिकी कंपनियों को हुआ, जिन्हें बिना किसी कॉम्पिटिशन के फायदे मिले और महंगी सप्लाई हासिल करने की क्षमता मिली।' उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने को 'अमेरिका को फायदा पहुंचाने के लिए ग्लोबल एनर्जी मार्केट के नियमों को बदलने की कोशिश' बताया। कहा कि ईरान को निशाना बनाने के लिए उठाए गए कदमों का पूरी दुनिया पर उल्टा असर पड़ा। इससे जुड़े रणनीतिक जोखिमों को कम करके आंका गया। सेचिन ने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास लगातार अस्थिरता से ग्लोबल एनर्जी सेक्टर पर बड़े

असर पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट में लंबे समय तक तनाव रहने से तेल की लॉन्ग-टर्म मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी में दिलचस्पी भी बढ़ सकती है।' रॉयटर्स के अनुसार, ये प्रतिक्रियाएं तब आई हैं जब फरवरी में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने इस स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया था, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी थी। स्ट्रेट खुला हो कीमतें कम होने के आसार सेचिन ने कहा कि अगर निकट भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुलता है तो ऑयल की कीमतें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। इस साल के अंत तक कच्चे तेल की कीमतें 95-96 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। एक साल के भीतर गिरकर 80-85 डॉलर प्रति बैरल हो जाएंगी। 2027 की दूसरी छमाही तक मार्केट के सामान्य हालात पर लौट आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चीन इस संकट के लिए ज्यादातर देशों की तुलना में बेहतर ढंग से तैयार दिख रहा है। इसकी वजह उसकी अच्छी तरह से योजनाबद्ध सरकारी नीति है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि समुद्र के दूसरे अहम रास्तों (चोकपॉइंट्स) - जैसे मलक्का, बाब अल-मंदेब और जिब्राल्टर स्ट्रेट - पर भी रुकावट का खतरा हो सकता है। जिसकी भरपाई के लिए कम से कम 10 ट्रिलियन रूबल के जरूरी निवेश की आवश्यकता होगी।' उन्होंने आगे कहा कि रूस भविष्य में सदस्य देशों के साथ निवेश के मामले में बेहतर सहयोग की उम्मीद करता है।

दुनिया के सामने मौजूद बड़ी चुनौतियां

अंत की शुरुआत या शुरुआत का अंत : पंडोरा बॉक्स में आखिर क्या बचा है' नाम के शीर्षक वाली स्पीच में सेचिन ने कहा कि दुनिया बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें सैन्यीकरण, वित्तीय बाजार के जोखिम और जरूरी संसाधनों की संभावित कमी शामिल है। उन्होंने कहा, 'बक्से के तल में हमें निश्चित रूप से बिजली, भोजन, तांबे और अन्य धातुओं व पानी की वैश्विक कमी देखने को मिलेगी।' रॉयटर्स के अनुसार, सेचिन ने समूह की प्रभावशीलता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर जैसे देशों के बाहर निकलने के बाद इस समूह की क्षमता का कुछ हिस्सा कम हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में गठबंधन का उत्पादन 58 मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर 37 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया है। रोसनेफ्ट प्रमुख ने कहा कि 2016 में समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से जहां ज्यादातर प्रमुख सदस्यों ने उत्पादन बढ़ाया है। वहीं रूस का तेल उत्पादन 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कम हुआ है। सेचिन ने कहा, 'यह 15 प्रतिशत की गिरावट है।

मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ दूं, छोटी सी दुकान से आज घर-कार सबकुछ, ऐसे बने मर्जी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजू चौरसिया उत्तर प्रदेश के महोबा से हैं। उन्होंने छोटी सी पान की दुकान से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस दुकान से उन्हें वह सबकुछ मिला है जिसकी लोग चाहत रखते हैं। इनमें घर, कार और लाखों की संपत्ति शामिल है। दिलचस्प यह है कि खूब धन-दौलत वाला हो जाने के बाद भी उन्होंने अपनी साधारण पान की दुकान कभी नहीं छोड़ी। आइए, यहां राजू चौरसिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। यूपी के महोबा के रहने वाले राजू चौरसिया पिछले 36 सालों से पान बेचते हैं। आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद वह छोटे-छोटे मेलों में पान की दुकान लगाते हैं। सिर्फ 10 रुपये में पान की बिक्री करते हैं। ग्राहकों को प्यार और अपनापन दिखाते हैं। उनके लिए पान पिछले तीन दशकों से उनकी पहचान रहा है। राजू चौरसिया ने 15 साल की उम्र में पान लगाना शुरू किया था। वह साल 1989 से इस काम में हैं। उन दिनों एक पान की कीमत सिर्फ 50 पैसे हुआ करती थी। वह अक्सर कहते हैं, 'मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ सकता हूं जिसने मुझे बनाया और मेरे परिवार का सहारा बना' आज उनके पास अपना घर है। वह महंगी कार चलाते हैं। उनके बच्चे अपने-अपने बिजनेस में सेटल हो चुके हैं। फिर भी राजू मेलों में अपनी पान की दुकान लगाना नहीं भूलते। वैसे तो वह उत्तर प्रदेश के महोबा के रहने वाले हैं। लेकिन, राजू अक्सर छतरपुर के मेलों में जाते हैं, जहां वह काफी मशहूर हैं। उनकी दुकान उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश तक के इलाकों में लगती है। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि राजू चौरसिया की दुकान खुल गई है, वे अपने दोस्तों के साथ उनके पान का मजा लेने पहुंच जाते हैं।

नागपुरी रचना

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

काहां आदमीक
हाल बदलथे ,
दिन तो ओहे नियर
बस कोनो तइर
साल बदलथे..!
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

धेयान से समझु
सियासतक खेइल,
सिकारी ओहे पुरना
नावां जाल बदलथे,
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

कहेक बड़ा मसकिल
इ इया उ हकैं अपन,
दोना कोना बात रे बाबू
मोका देखी चाइल
बदलथे,
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

चउथा असतंभ भी
नइ रइह गेलक मिडिया,
सवाले में सवाल
बदलथे!
मुंह भइर चिकन चंदन
बोलते हे जबान
पिछरथे..!!
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

अदालत कर हामरे
इज्जत बहुत करिला,
ओहो अपन खेयाल
बदलथे!
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

बुदू डंइड़का,चेंगइर
लोभे आते रही बउकला,
सियार ओहे बस
अपन खाल बदलथे,
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

काहां आदमीक
हाल बदलथे ,
दिन तो ओहे नियर
बस कोनो तइर
साल बदलथे..!
काहां आदमीक
हाल बदलथे..!!

अन्नपूर्णा सेवा में उमड़लक आस्था, हजारों सरधालुमन गरहन करलयं महाप्रसाद

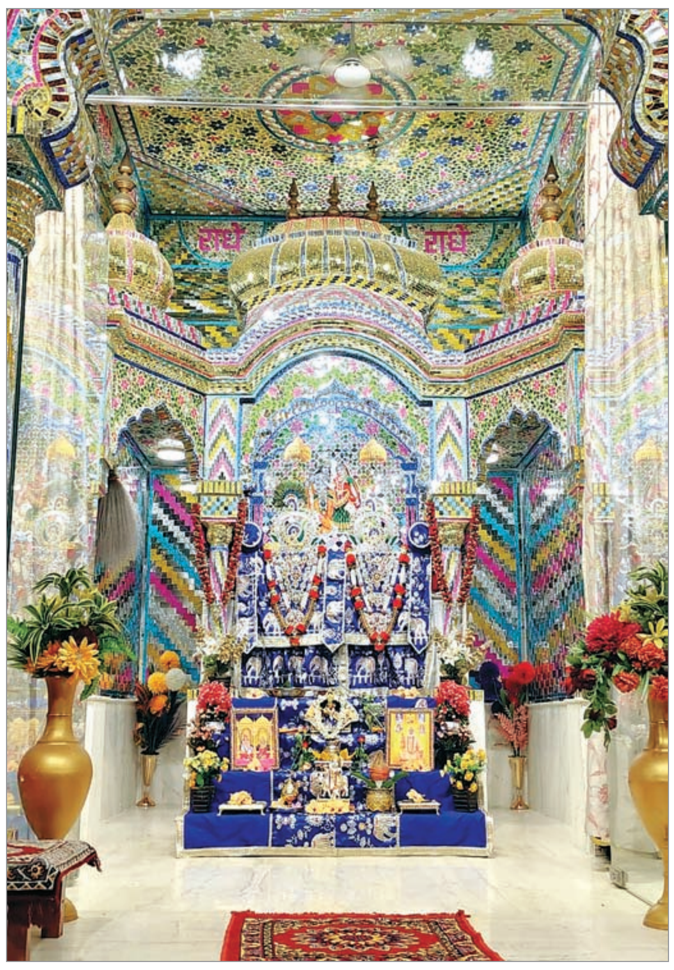

लगभग दू हजार से बेसी सरधालुमन महाप्रसाद गरहन करलयं

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। पुंदाग कर श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में एतवार के श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद कर आयोजन करल गेलक। हजारों सरधालुमन भगवान श्री राधा-कृष्ण कर दरसन कइर के पुण्य लाभ प्राप्त करलयं। कार्जकरम कर दौरान भगवान श्री राधा-कृष्ण कर दिब्य सिंगार करल गेलक। श्री राधारानी के आकरसक आउर मनोहारी आभूसन आउर फूल से सजाल गेलक। मंदिर में बिहाने से हे भक्तमन कर लंबा पांइत ठड़ा रहे। दूपहर 12 बजे मंदिर कर पुजारी अरविंद कुमार पांडेय बैदिक मंत्रोच्चार आउर बिधि-बिधान कर संगे भगवान के महाप्रसाद अर्पित करल गेलक। पूजा-अर्चना कर बाद सरधालुमन कर बीच महाप्रसाद बांटल गेलक।
महाप्रसाद में मसलादार बेजिटेबल खिचड़ी, लीची सरबत, सत्तू पानी, सीतल जल आउर आलू चिप्स बांटल गेलक। मंदिर परिसर में आवल लगभग दू हजार से बेसी सरधालुमन महाप्रसाद गरहन करलयं। ई अवसर में ट्रस्ट कर भजन गायक मनीष सोनी भक्तिमय भजन कर प्रस्तुति देलयं। भजन-संध्या कर बाद सामूहिक महाआरती कर आयोजन करल गेलक। इकर में आवल सरधालुमन एके स्वर में प्रभु कर गुनगान कइर के आध्यात्मिक आनंद कर अनुभव करलयं। ट्रस्ट कर प्रवक्ता सह मीडिया परभारी संजय सर्राफ बतालयं कि बिहाने से लेइ के देर सांझ तक पांच हजार से बेसी सरधालुमन भगवान श्री राधा-कृष्ण कर दरसन करलयं। ई अवसर में डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, संजय सर्राफ, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार, सुरेश भगत संगे बड़ संख्या में सरधालु आउर ट्रस्ट सदस्य पहुंचल रहयं।

देसभइर में बिस्व साइकिल दिवस में समारोह कर आयोजन

एक दिवसीय कार्जकरम में 4 लाख से बेसी झन भाग लेलयं

प्रात: नागपुरी संवाददाता

नई दिल्ली। बिस्व साइकिल दिवस कर अवसर में रास्ट्रीय राजधानी इस्थित परसिद्ध जवाहरलाल नेहरू इस्टेडियम में अदमीमन कर बिसाल जनसमूह उमड़ गेलक, जहां केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया परसिद्ध अभिनेता विक्रांत मैसी, विश्व चैंपियनशिप कर रजत पदक बिजेता मुक्केबाज नुपुर श्योराण आउर कन्नड़ फिलिम अभिनेत्री रागिनी द्विवेदी कर संगे ई बिसेस राष्ट्रव्यापी कार्जकरम कर नेतृत्व करलयं।
नई दिल्ली में 15,000 से बेसी फिटनेस उत्साहीमन साइकिल चलालयं, जबकि देसभइर में कारगिल आउर लेह से लेइ के कन्याकुमारी आउर अलप्पुझा तक आउर त्रिपुरा से वडोदरा तक हजारों ठांव में आयोजित ई एकदिन कर साइकिलिंग अभियान में 4 लाख से बेसी झन भाग लेलयं।
दिसंबर 2024 में डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा सुरू करल गेल ई साइकिल पहल से एखन तक 30 लाख से बेसी झन जुइड़ चुइक हयं आउर ई देसभइर कर हजारों ठांव तक पहुंइच चुइक हे। केंद्रीय खेल मंत्री मैत्रीपूर्ण रस्साकशी प्रतिजोगिता में अभिनेता विक्रांत मैसी के पराजित करलयं आउर इकर बाद प्रतिभागीमन कर संगे ह्लभारत माता की जयह्व आउर ह्लफिट इंडिया, हिट इंडियाह्व कर नारा कर बीच

साइकिल चलालयं।
देसभइर में बिभिन्न राइज सरकार कर खेल बिभाग, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), तटरक्षक बल, थल सेना, नौसेना, वायु सेना, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) आउर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भी बड़ संख्या में ई अभियान में भाग लेलक। हुने, अभियान कर अंतरगत आइज धार में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा साइकिल रैली आयोजित करल गेलक। कार्जकरम में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री आउर धार संसदीय छेतर कर सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर मुध गोतिया कर रूप में पहुंचल रहयं। उनकर द्वारा साइकिल रैली के हरीयर झंडी देखाय के सुभारंभ करल गेलक। ऊ जुवामन आउर नागरिकमन के स्वस्थ आउर सक्रिय जीवनसइली अपनायेक कर संदेस देलयं।
साइकिल स्वस्थ जीवनसइली, पर्याबरन संरछन आउर फिटनेस के बढ़ावा देवेक कर एगो परभावी माध्यम आहे। जुवा कार्जकरम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार कर ई पहल जुवामन में खेल आउर स्वास्थ्य कर प्रति जागरूकता बढ़ायेक में महतपूर्न भूमिका निभात हे।

पर्याबरन दिवस कर याइद में छउवामन रंग से देलयं हरियाली कर संदेस

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। बिस्व पर्याबरन दिवस में आई-फा इंटरनेशनल छउवामन ले चित्रकला प्रतिजोगिता आउर पौधारोपन कार्जकरम आयोजित करलक। प्रतिजोगिता में छउवामन पर्याबरन संरछन बिसय उपरे आकरसक चित्र बनाय के आपन प्रतिभा कर परदरसन करलयं। निर्णायक मंडल में शगुफ्ता बानो, अंजुम आउर साधना सामिल रहयं।
ई अवसर में मोहम्मद साबिर हुसैन छउवामन के पर्याबरन संरछन कर संदेस देलयं। कहलयं एगो पेड़ लगायेक कर संकल्प करु चाहे ऊ गमला में होवे इया जमीन में। कार्जकरम में हुमायूं कबीर, शमा परवीन, अल्मा हसन संगे अन्य सदस्यमन पौधारोपन कर के पर्याबरन संरछन कर संकल्प लेलयं।
प्रतिजोगिता में सीनियर बर्ग में आयत पहिल, एलिजा दूसर आउर हूमरा आउर महक संजुक्त रूप से तीसर ठांव प्राप्त करलयं। जूनियर बर्ग में जैनब पहिल, महरीन दूसर आउर डेनियल आउर हानियां संजुक्त रूप से तीसर ठांव में रहयं। सउब बिजेतामन के साबिर हुसैन द्वारा पुरस्कार देल गेलक।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी बिद्यार्थीमन आउर समाजसेवीमन कर भेलक सम्मान

प्रात: नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर कर धातकीडीह कम्युनिटी सेंटर में एतवार के प्रतिभा सम्मान समारोह कर आयोजन करल गेलक। जागो संगठन, जागो यूवा विंग औरर टाटा स्टील फाउंडेशन कर संजुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में सिछा, सामाजिक सेवा आउर बिभिन्न छेतर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करेक वाला बिद्यार्थीमन आउर समाजसेवीमन के सम्मानित करल गेलक। कार्जकरम कर मुध गोतिया को-ऑपरेटिव कॉलेज कर प्रोफेसर असलम मल्लिक रहयं। बिसिस्ट गोतियामन में ठक्कर बप्पा मध्य बिद्यालय कर प्रधानाध्यापक पंकज कुमार, बोस्टोम साई स्कूल, सरायकेला कर सहायक आचार्या सलमा मुखी, समाजसेवी पुनीता मुखी, सम्भू डुंगरी, लक्ष्मण मुखी, लखिंदर कारुवा, सूरज मुखी, ब्रजेश मुखी आउर विकास मुखी सामिल रहयं।
आपन संबोधन में मुध गोतिया प्रोफेसर असलम मल्लिक कहलयं कि सिछा सामाजिक परिबर्तन कर सउबसे परभावी माध्यम आहे। ऊ बिद्यार्थीमन से कठिन परिश्रम, अनुसासन आउर निरंतर सीखेक कर आदत बिकसित करेक कर आह्वान करलयं। ऊ कहलयं कि सम्मान आउर प्रोत्साहन से छातरमन कर आत्मबिस्वास बढ़ेला आउर ऊमन जिनगी में बड़ लक्ष्य हासिल करेक ले प्रेरित होवयंना।

ई अवसर में समाज कर प्रति उत्कृस्ट जोगदान आउर सामाजिक काम में सक्रिय भूमिका निभायेक ले सलमा मुखी आउर हेमंत मुखी के मुध गोतिया कर हाथ से 'समाज रत्न अवार्ड' से सम्मानित करल गेलक। हुवें बिभिन्न छेतर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कइर के समाज कर नाव रोसन करेक वाला 10 गो प्रतिभासाली छउवामन के 'समाज भूषण अवार्ड' देल गेलक।
इकर अलावा बछर 2026 कर मैट्रिक, इंटरमीडिएट आउर स्नातक परीछा में उत्कृस्ट परदरसन करेक वाला बिद्यार्थीमन के 'समाज गौरव अवार्ड' कर तहत प्रमान-पतर आउर मेडल देइ के सम्मानित करल गेलक। सम्मान प्राप्त करेक वाला बिद्यार्थीमन आउर उनकर अभिभावकमन कर चेहरा में खुसी सफा दिसत रहे। कार्जकरम कर संचालन रवि मुखी आउर धीरज मुखी संजुक्त रूप से करलयं। समारोह के सफल बनायेक में संगठन कर अध्यछ सुमंत मुखी, महासचिव जोलेश मुखी, संतोष मुखी, कुमकुम मुखी, मुन्ना मुखी, सावन मुखी, धीरज मुखी, श्रवण मुखी, स्वयंम मुखी संगे अन्य सदस्यमन महतपूर्न भूमिका निभालयं।

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर** : शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड** : कुमार राजेश। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com